RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

फेंक रहा दिल खोलकर, कूड़ा जगत-जहान।
बेचारे का कट गया, बे-मतलब चालान।
बे-मतलब चालान, भाग्य ने आ उलझाया।
वर्ना अब तक सदा, फेंकता यूं ही आया।
कह साहिल कविराय, किसी ने कभी न पकड़ा।
बिल्कुल पहली बार, पड़ा यह उल्टा लफड़ा।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 147 | SATURDAY DATE 20-06-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

एनटीए पर लगे प्रतिबंध, धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा ले सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून ।

कांग्रेस ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन में विफल बताते हुए उस पर प्रतिबंध लगाने तथा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य और पार्टी की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि शिक्षा के व्यवसायीकरण के कारण पेपर लीक की घटनाएं बढ़ रही हैं और इससे देश की शिक्षा व्यवस्था गंभीररूप से प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर लीक प्रकरण के एक माह बाद अब फिर यह परीक्षा आयोजित की जा रही है लेकिन इसके कारण कई बच्चों की जान गयी है और इसकी जिम्मेदारी शिक्षा मंत्री की है इसलिए श्री प्रधान से इस्तीफा लिया जाना चाहिए।उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पेपर लीक के मुद्दे पर जवाबदेही तय करने के बजाय टेलीग्राम ऐप पर प्रतिबंध लगाने जैसे कदमों से मामले पर लीपापोती करने का प्रयास कर रही है।

ऑपरेशन साइहॉक 5.0 दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन, 916 लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून । साइबर क्राइम पर शिकंजा कसने के लिए दिल्ली पुलिस की ओर से चलाए गए 'ऑपरेशन साइहॉक 5.0' के तहत बड़ी कामयाबी मिली है। इस ऑपरेशन के तहत 916 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की जानकारी भी सामने आई है। आईएएनएस से बात करते हुए दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट के जॉइंट कमिश्नर रजनीश गुप्ता ने बताया कि इस बार दिल्ली के सीपी सतीश गोलचा की लीडरशिप में 'ऑपरेशन साइहॉक 5.0' चलाया गया, जिसमें हमें कुछ समय मिला। 16 तारीख को शुरू हुए इस ऑपरेशन में 31 मई तक का डेटा मिलने से हमें और समय मिल गया। इसलिए, हमने न सिर्फ हॉटस्पॉट्स पर काम किया, बल्कि आम शिकायतों का भी एनालिसिस किया। एनालिसिस के बाद हमें पता चला कि बहुत ज्यादा धोखाधड़ी हो रही है, यहां तक कि उन मामलों में भी जहां एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी, क्योंकि रकम 1 लाख से कम थी। हमने यह भी पाया कि व्हाट्सएप पर कई एपीके-बेस्ड फाइलों का इस्तेमाल हो रहा है और इसी वजह से पैसे उड़ाए जा रहे हैं।

दुनिया भारत को उम्मीद और उत्साह की नजरों से देख रही है, बढ़ रहा वैश्विक निवेश और सहयोग : मोदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज दुनिया भारत को उम्मीद और उत्साह के साथ देख रही है।उन्होंने कहा कि देश के प्रति बढ़ता वैश्विक भरोसा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते सहयोग और निवेश के रूप में साफ दिखाई दे रहा है।

माईगव इंडिया के एक लेख को शेयर करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक बेहतर दुनिया के निर्माण में योगदान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और साथ ही वैश्विक मंच पर लगातार अपनी मजबूत स्थिति भी बना रहा है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि भारत हमेशा बेहतर ग्रह और बेहतर भविष्य के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तैयार रहता है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत के प्रति दुनिया का बढ़ता विश्वास देश के 140

करोड़ नागरिकों के प्रयासों और आकांक्षाओं का परिणाम है।

उन्होंने कहा, ह्लभारत बेहतर दुनिया के निर्माण में जो भी संभव होगा, उसे करने के लिए हमेशा तैयार है। साथ ही भारत के 140 करोड़ लोगों की बदौलत दुनिया भारत को उम्मीद और उत्साह के साथ देख रही है।

सुधांशु त्रिवेदी ने जनता से पूछा, राहुल गांधी का जन्मदिन किस दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून ।**

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। साथ ही तंज कसते हुए कहा कि बीते 12 साल में राहुल गांधी ने कई बार स्टाइल और बॉडी लैंग्वेज में बदलाव किया, लेकिन राहुल जनता के दिलों से दूर होते रहे। भाजपा सांसद ने कहा कि पूर्व पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है, लेकिन राहुल गांधी का जन्मदिन किस दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए, यह जनता के विवेक पर छोड़ता हूं। त्रिवेदी ने कहा, ह्लउनके समर्थक भले ही उन्हें जिस भी प्रारूप में रखना चाहें, लेकिन पिछले 12 वर्षों में उनके स्टाइल और बॉडी लैंग्वेज में जितने परिवर्तन आए हैं, उतने परिवर्तन जनता के दिल में उनके स्थान को बनाए रखने में नहीं आए। वे लगातार जनता के दिल से स्थान खोते चले गए हैं। नीट मामले में भाजपा सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार पूरी तरह सतर्क, संवेदनशील और सजग है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की गलत सूचना या दुष्प्रचार को फैलने नहीं दिया जाएगा। भाजपा के राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार की हार ने गठबंधन के भीतर की दरारों को उजागर कर दिया है। इस हार के बाद कांग्रेस, झामुमो और सीपीआई (एमएल) नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है, जिससे इंडिया गठबंधन के भीतर मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं।

सर्दियों में प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने जून में ही जारी किया विंटर एक्शन प्लान

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून ।**

दिल्ली सरकार की ओर से सर्दियों में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अभी से ही बड़े कदम उठाए जाने लगे हैं, जिसको लेकर दिल्ली सरकार की ओर से जानकारी साझा की गई है। सीएमओ दिल्ली की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में जानकारी दी गई कि दिल्ली सरकार ने सर्दियों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए जून में ही प्रोडक्टिव विंटर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट फ्रेमवर्क अधिसूचित कर दिया है, ताकि नागरिकों, उद्योगों, संस्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और निर्माण एजेंसियों को नवंबर से पहले पर्याप्त तैयारी का समय मिले और दिल्लीवासियों को अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े। सीएमओ दिल्ली की ओर से 'एक्स' पर बताया गया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में यह व्यवस्था सामान्यतः हर वर्ष 1 नवंबर से 28 फरवरी तक ग्रैप के साथ लागू रहेगी।

सीएमओ की ओर से बताया गया कि वैध पीयूसीसी वाले वाहनों को ही पेट्रोल पंपों पर ईंधन मिलेगा। 1 नवंबर से 31 जनवरी तक दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर-बीएस फोर कमर्शियल वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। सीएनजी, ईवी, आपातकालीन सेवाओं और सरकारी कार्यों से जुड़े वाहनों को छूट मिलेगी। इसके साथ ही 1 नवंबर से 28 फरवरी तक अधिकृत पार्किंग स्थलों पर पार्किंग शुल्क दोगुना रहेगा।

सरकार की ओर से बताया गया कि आवश्यकता पड़ने पर कार्यालयों के समय में बदलाव और सरकारी-निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत तक लोगों को बुलाने की व्यवस्था लागू की जा सकेगी। वहीं, 1 नवंबर से 31 जनवरी तक निर्माण और ध्वस्तीकरण कार्यों में धूल नियंत्रण के नियमों का सख्ती से पालन करना होगा, जबकि 10 दिसंबर से 20 जनवरी के बीच आवश्यकता पड़ने पर निर्माण कार्यों पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जा सकेंगे।

इसके साथ ही बड़े निर्माण स्थलों और बड़ी बिल्डिंग्स पर एंटी-स्मॉग गन और मिस्ट सप्रेशन सिस्टम लगाना अनिवार्य होगा। खुले में कचरा या अन्य सामग्री जलाने पर सख्त निगरानी और कार्रवाई की जाएगी।

इसके लिए ड्रोन और फील्ड मॉनिटरिंग का उपयोग किया जाएगा। सीएमओ की ओर से आगे कहा गया कि प्रदूषण से लड़ाई का सबसे अच्छा तरीका है समय रहते तैयारी। दिल्ली सरकार इसी संकल्प के साथ सर्दियों से पहले हर जरूरी तैयारी को मिशन मोड में आगे बढ़ा रही है।

जनसेवा को घर-घर पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन रहे जन कल्याण शिविर

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली सरकार द्वारा 18 से 20 जून तक आयोजित किए जा रहे जन कल्याण शिविरों को राजधानी के नागरिकों का उत्साहजनक समर्थन मिल रहा है। श्रीमती गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि शिविर के पहले दिन 18 जून को राजधानी के 42 जन सुविधा केंद्रों पर कुल 15,186 नागरिकों ने विभिन्न सरकारी योजनाओं, सेवाओं और अपनी समस्याओं के समाधान से संबंधित जानकारी प्राप्त की और आवश्यक प्रक्रियाओं में भाग लिया। उन्होंने कहा कि त्रिलोकपुरी स्थित सर्वोदय बाल विद्यालय केंद्र पर सर्वाधिक 1,280 नागरिक पहुंचे, जबकि ईस्ट लोनी रोड केंद्र पर 874 तथा सावित्री नगर केंद्र पर 841 नागरिकों की उपस्थिति दर्ज की गई। इसके अलावा नजफगढ़ स्टेडियम, गोयला डेयरी रोड और पालम कॉलोनी सहित अनेक केंद्रों पर भी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज की गई।

हरिद्वार भूमि खरीद घोटाले में धामी सरकार का एक्शन, पूर्व नगर आयुक्त की बर्खास्त

» **देहरादून, यूटर्न/ 19 जून ।**

भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार नगर निगम भूमि खरीद प्रकरण में बड़ी और कड़ी कार्रवाई की है। प्रकरण में तत्कालीन नगर आयुक्त हरिद्वार नगर निगम वरुण चौधरी को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर की संस्तुति की गई है। वहीं, तत्कालीन जिलाधिकारी हरिद्वार कर्मेंद्र सिंह को अपने पदीय दायित्वों एवं कर्तव्यों के समुचित निर्वहन में गंभीर लापरवाही का दोषी मानते हुए उनके विरुद्ध दीर्घ शास्ति (मेजर पनिशमेंट) अधिरोपित करने का निर्णय लिया गया है। दोनों अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को संस्तुति भेजी जा रही है। इसके अलावा, उस समय कार्यरत एसडीएम अजयवीर सिंह के विरुद्ध परनिंदा प्रविष्टि दर्ज करने तथा उनकी तीन वेतनवृद्धियां रोकने के निर्देश भी दिए गए हैं। गौरतलब है कि हरिद्वार नगर निगम भूमि खरीद मामले के सामने आते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सख्त रुख अपनाया था। प्रारंभिक जांच में अनियमितताओं के संकेत मिलने पर तत्कालीन जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह और पूर्व नगर आयुक्त वरुण चौधरी सहित कई अधिकारियों को निलंबित किया गया था। इसके बाद विशेष जांच और ऑडिट के माध्यम से पूरे प्रकरण की गहन पड़ताल कराई गई।

भारत तय समय से पहले हासिल करेगा रक्षा उत्पादन और निर्यात का लक्ष्य: राजनाथ

» **नागपुर, यूटर्न/ 19 जून ।**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और रक्षा उत्पादन तथा निर्यात के तय लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले हासिल करने की राह पर है।

नागपुर स्थित ऑर्डनेंस फैक्ट्री अंबाझरी (यान्त्र इंडिया लिमिटेड) में 10,000 टन क्षमता वाले एल्यूमीनियम एक्सट्रूजन प्रेस की आधारशिला रखने

के बाद, उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों में सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर रहना उचित नहीं है। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि जो देश अपनी जरूरतों को स्वयं पूरा करने में सक्षम होता है, वही अपने राष्ट्रीय हितों की सबसे बेहतर तरीके से रक्षा कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह नई परियोजना आयात आधारित व्यवस्था से स्वदेशी रक्षा विनिर्माण की ओर एक बड़ा बदलाव साबित होगी।

रक्षा मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में तकनीक, कुशल मानव संसाधन, ज्ञान और राष्ट्रीय विश्वास के बल पर भारत के रक्षा क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में देश का कुल रक्षा उत्पादन बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जबकि वर्ष 2014 में यह केवल 46 हजार करोड़ रुपये था। इसी तरह रक्षा निर्यात भी बढ़कर 38,424 करोड़ रुपये हो गया है, जो 2014 में एक हजार करोड़ रुपये से भी कम था।

नौसेना के लिए 425 करोड रुपए की लागत से खरीदे जायेंगे गैस टरबाइन जनरेटर

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून । भारतीय नौसेना की संचालन क्षमता बढ़ाने तथा समुद्री गैस टरबाइन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सरकार नौसेना के लिए 400 425 करोड़ की लागत से समुद्री गैस टरबाइन जनरेटर खरीदेगी। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि कम से कम 60 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री वाले 1.25 मेगावाट के समुद्री गैस टरबाइन जनरेटर के 12 सेटों की पुणे स्थित भारत फोर्ज लिमिटेड से की जायेगी। इस खरीद के लिए दोनों पक्षों के बीच शुक्रवार को यहां रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में अनुबंध पर हस्ताक्षर किये गये। यह अनुबंध खरीद (भारतीय) श्रेणी के अंतर्गत किया गया है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

दिल्ली में पूरी तरह महिला स्टाफ वाला पहला महिला थाना शुरू, एलजी टीएस संधू ने किया उद्घाटन

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून ।**

दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू ने शुक्रवार को उत्तर जिले के सब्जी मंडी क्षेत्र में पूरी तरह महिला कर्मियों द्वारा संचालित समर्पित महिला पुलिस थाने का उद्घाटन किया। उन्होंने विश्वास जताया कि यह थाना महिलाओं को अपनी शिकायतें दर्ज कराने के लिए सुरक्षित माहौल प्रदान करेगा।

उपराज्यपाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षित और सशक्त महिला ही प्रगतिशील समाज की नींव होती है।

उन्होंने 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा, ''हम सभी मिलकर एक सुरक्षित, समावेशी और सशक्त समाज के निर्माण के लिए लगातार काम करते रहेंगे।'' उपराज्यपाल टीएस संधू ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस सोच से प्रेरित होकर कि नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है, यह महत्वपूर्ण संस्थान महिलाओं को शिकायत दर्ज कराने, न्याय पाने और बिना किसी डर के सहायता प्राप्त करने के लिए सहयोगी और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएगा।''

यह नया पुलिस थाना पूरी तरह महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित होगा। इसे महिलाओं के प्रति अधिक संवेदनशील पुलिस व्यवस्था की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। यहां महिलाओं के खिलाफ अपराधों, जैसे घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न और पीछा करने (स्टॉकिंग) के मामलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बाद में उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस की महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी प्रमुख पहलों, जैसे पिंक बूथ और 'सशक्ति' अभियान की भी समीक्षा की।

लद्दाख के एलजी ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर लगाया प्रतिबंध, कूड़ा फैलाने वालों पर सख्ती के निर्देश

» **श्रीनगर, यूटर्न/ 19 जून ।**

लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को सिंगल-यूज प्लास्टिक की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने तथा कूड़ा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उपराज्यपाल ने पूरे लद्दाख में सिंगल-यूज प्लास्टिक पर कड़ा प्रतिबंध लगाने और प्लास्टिक से जुड़े नियमों के उल्लंघन तथा गंदगी फैलाने के मामलों पर व्यापक कार्रवाई की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि यह कदम लद्दाख की नाजुक पारिस्थितिकी और प्राकृतिक सुंदरता की रक्षा के लिए जरूरी है, जो यहां की पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। नए नियमों के तहत कूड़ा फैलाने और सिंगल-यूज प्लास्टिक से जुड़े उल्लंघनों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

पहले की व्यवस्था से अलग, अब ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ), तहसीलदार, नगर निकाय अधिकारी, वन अधिकारी और वन रक्षक जैसे फील्ड स्तर के अधिकारियों को नियम उल्लंघन पकड़ने और चालान जारी करने का अधिकार दिया गया है।

प्रशासन ने लेह हवाई अड्डे और लद्दाख के विभिन्न सीमा एवं प्रवेश बिंदुओं पर अचानक जांच करने के भी निर्देश दिए हैं, ताकि प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री की आवाजाही और उपयोग को रोका जा सके।

यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब लद्दाख के पर्यावरण पर प्लास्टिक कचरे के बढ़ते दुष्प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ रही है। हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं, जिससे पर्यावरणीय दबाव भी बढ़ता है।

उपराज्यपाल ने कहा कि लद्दाख का प्राकृतिक पर्यावरण उसकी सबसे बड़ी ताकत है और विकास तथा पर्यटन विस्तार के साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारी का संतुलन बनाए रखना जरूरी है। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि प्रतिबंध का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए और क्षेत्र की विशिष्ट पारिस्थितिक पहचान को संरक्षित रखा जाए।

गौरतलब है कि क्षेत्र की विशेष पारिस्थितिकी, पर्यावरण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की मांग, लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस की प्रमुख मांगों में शामिल रही है। ये दोनों लद्दाख के प्रमुख प्रतिनिधि संगठन हैं।

चार साल में पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने 23 करोड़ से ज्यादा की कीमत के मोबाइल किए बरामद

» **गौतमबुद्धनगर, यूटर्न/ 19 जून ।**

कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा आधुनिक तकनीक और प्रभावी पुलिसिंग के माध्यम से चोरी एवं गुम हुए मोबाइल फोनों की बरामदगी में बड़ी सफलता हासिल की गई है। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में आमजन की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

इसी क्रम में मोबाइल फोन चोरी और गुमशुदगी के मामलों में पुलिस की सक्रियता ने हजारों लोगों को राहत पहुंचाई है। पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 1 दिसंबर 2022 से 31 मई 2026 तक कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस ने कुल 7,809 चोरी और गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइल फोनों की अनुमानित कीमत 23 करोड़ 55 लाख 80 हजार 450 रुपए आंकी गई है।

विभिन्न कंपनियों के इन स्मार्ट फोन की बरामदगी के लिए पुलिस ने अत्याधुनिक तकनीक, सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस का प्रभावी उपयोग किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कमिश्नरेट के विभिन्न थानों में प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए मोबाइल फोनों को ट्रैक किया गया और उन्हें सफलतापूर्वक बरामद किया गया।

तकनीक आधारित पुलिसिंग को प्राथमिकता देने के कारण पुलिस को इस अभियान में उल्लेखनीय सफलता मिली है। इससे न केवल लोगों की आर्थिक क्षति की भरपाई हुई है, बल्कि पुलिस के प्रति जनता का विश्वास भी मजबूत हुआ है। गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा बरामद किए गए मोबाइल फोनों को समय-समय पर 'मिशन सहयोग' अभियान के तहत उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपा जाता रहा है। इस पहल के माध्यम से हजारों लोगों को उनके खोए हुए मोबाइल फोन वापस मिले हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मिशन सहयोग केवल खोई हुई संपत्ति वापस दिलाने का अभियान नहीं है, बल्कि यह जनसेवा, पारदर्शिता और जवाबदेह पुलिसिंग का भी एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। इस पहल ने पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी तकनीक आधारित पुलिसिंग को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा, ताकि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके।

पुलिस लगातार इस दिशा में कार्य कर रही है कि चोरी और गुमशुदगी से संबंधित मामलों में लोगों को शीघ्र राहत मिले तथा उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

संक्षिप्त खबरें

एकमुश्त समाधान योजना का लाभ लेने के लिए 18 ने किया आवेदन

गाजियाबाद, यूटर्न/ 19 जून । जीडीए में एकमुश्त समाधान योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्राप्त मामलों पर त्वरित कार्रवाई के लिए बृहस्पतिवार को ओटीएस का लाभ लेने के लिए 18 नए आवेदन हुए। इनमें 12 मामलों में स्वीकृति प्रदान की गई। जीडीए परिसर में लगाए गए शिविर में बुधवार को 24 लोगों ने पंजीकरण कराए थे। इसके साथ ही मधुबन-बापूधाम आवासीय योजना में पीएम आवास योजना के तहत 11 आवेदनों पर सुनवाई के बाद चार मामलों में रजिस्ट्री के आदेश जारी किए गए।

दो दिनों में 21 आवेदन किए गए। जीडीए सचिव विवेक मिश्र ने बताया कि गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से जन साधारण की सहूलियत और लंबित मामलों के समयबद्ध समाधान के लिए 16 से 18 जून तक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के तीसरे दिन भी काफी संख्या में पंजीकरण के लिए आवेदक पहुंचे। आवंटियों को एक मुश्त समाधान योजना और मधूबन बापूधाम स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उनका निस्तारण किया गया। ऑनलाइन माध्यम से दो दिनों में कुल 38 नए आवेदन प्राप्त हुए।

पौधों के शौक को बनाया कारोबार, पाली की 4 महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

फरीदाबाद, यूटर्न/ 19 जून । जिले के गांव पाली की चार महिलाओं ने अपने पौधों के प्रति शौक को एक छोटे लेकिन सफल नर्सरी व्यवसाय में बदलकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। कभी घर के आंगन में गमलों में पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने तक सीमित यह शौक आज उनके लिए आय का मजबूत साधन बन चुका है। इस समूह में उषा, रेखा, शांति और पूनम शामिल हैं। इन महिलाओं ने घर पर विभिन्न प्रकार के सजावटी, फलदार और फूलदार पौधे तैयार करने का कार्य शुरू किया। शुरूआत में उन्होंने सीमित संसाधनों के साथ पौधों का उत्पादन किया, लेकिन उनकी मेहनत, लगन और गुणवत्ता के कारण लोगों की मांग बढ़ती गई। धीरे-धीरे उनका नर्सरी व्यवसाय स्थानीय स्तर पर पहचान बनाने लगा। उनकी नर्सरी में बड़ी संख्या में पौधे तैयार किए जाते हैं और आसपास के क्षेत्रों से लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। इस व्यवसाय से होने वाली आय ने न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी दिया है।

ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में वकीलों, डीड राइटर्स का अनिश्चितकालीन धरना, 300 रजिस्ट्रियां प्रभावित

» **गौतमबुद्ध नगर, यूटर्न/ 19 जून**

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लागू की जा रही नई ई-पंजीकरण (ई-रजिस्ट्रेशन) व्यवस्था के विरोध में गौतमबुद्ध नगर के अधिवक्ताओं और डीड राइटर्स ने मोर्चा खोल दिया है। विरोध स्वरूप वकील और डीड राइटर्स अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं, जिसके चलते जिले के प्रमुख सब रजिस्ट्रार कार्यालयों में रजिस्ट्री का कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

जानकारी के अनुसार नोएडा के सेक्टर-33 स्थित सब रजिस्ट्रार कार्यालय तथा ग्रेटर नोएडा के गामा-2 स्थित सब रजिस्ट्रार कार्यालय में अधिवक्ताओं और डीड राइटर्स ने कामकाज ठप कर दिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रदेश सरकार द्वारा लागू की जा रही ई-पंजीकरण व्यवस्था से न केवल उनके रोजगार पर असर पड़ेगा, बल्कि आम लोगों को भी कई तकनीकी और कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

धरने पर बैठे अधिवक्ताओं ने कहा कि जब तक सरकार इस फैसले को वापस नहीं लेती या इसमें आवश्यक संशोधन नहीं करती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

प्रदर्शन के कारण दोनों कार्यालयों में संपत्तियों की रजिस्ट्री का कार्य लगभग ठप हो गया है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि विरोध प्रदर्शन के चलते अब तक 300 से अधिक रजिस्ट्रियां लंबित हो चुकी हैं।

सऊदी अरब से लौटते ही दबोचा गया 5 साल से फरार आरोपी, मुंबई एयरपोर्ट पर हुई

» **नोएडा, यूटर्न/ 19 जून ।**

गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सेक्टर-58 थाने की पुलिस ने पिछले पांच वर्षों से फरार चल रहे एक वांछित आरोपी को मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, रंगदारी, धमकी और आईटी एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी लंबे समय से भारत छोड़कर सऊदी अरब में रह रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुदासिर जहूर पुत्र जहूर अहमद (38 वर्ष) निवासी अरम मस्जिद, खानयार, जम्मू-कश्मीर के रूप में हुई है। उसे गुरुवार को मुंबई एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों की सहायता से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह सऊदी अरब के जेद्दा शहर से भारत लौट रहा था। मामले की शुरूआत वर्ष 2021 में हुई थी, जब एक महिला ने थाना फेस-3 में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसने आरोपियों के खिलाफ वर्ष 2020 में मथुरा जिले के नौहझील थाने में धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और जालसाजी से संबंधित मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि उक्त मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने के लिए मुदासिर जहूर और उसके सहयोगियों ने महिला को जान से मारने की धमकी दी। महिला का आरोप था कि आरोपी ने उसका मोबाइल फोन हैक कर लिया और उससे 40 लाख रुपए की रंगदारी मांगी। साथ ही सोशल मीडिया पर उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल करने की धमकी भी दी गई।

शिकायत के आधार पर थाना फेस-3 में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ आईटी एक्ट की धारा 67-सी भी शामिल की गई। जांच के दौरान आरोपी लगातार फरार रहा। पुलिस ने उसके खिलाफ न्यायालय से गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्लू) और धारा 82 सीआरपीसी की कार्रवाई भी कराई। विवेचना में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी भारत छोड़कर सऊदी अरब में रह रहा है। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर जारी कराया।

लुकआउट नोटिस के चलते जैसे ही आरोपी जेद्दा से मुंबई पहुंचा, एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे डिटेन कर लिया। सूचना मिलने पर थाना सेक्टर-58 पुलिस की टीम मुंबई पहुंची और आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर नोएडा लाई।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि फरारी के दौरान आरोपी किन गतिविधियों में शामिल रहा और क्या उसके अन्य सहयोगी भी इस मामले में शामिल हैं। आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

23 जून को होगी जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक

परमिंदर सिंह / कुरुक्षेत्र,यूटर्न/ 19 जून । उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक 23 जून को सुबह 11 बजे नया लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित की जाएगी। इस बैठक की अध्यक्षता विकास एवं पंचायत विभाग मंत्री कृष्ण लाल पंवार करेंगे। उन्होंने कहा कि 23 जून को जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक को देखते हुए कोई भी अधिकारी अवकाश पर ना रहे और सभी विभागों के अध्यक्ष 10:45 बजे नया लघु सचिवालय के सभागार में पहुंचना सुनिश्चित करें।

थानेसर की पांडव गली में स्वच्छता व्यवस्था बदहाल, गंदगी के ढेर से लोग परेशान: संजय शर्मा

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, 19 जून। थानेसर शहर की पांडव गली में नगर परिषद की स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई दिखाई दे रही है। गली में जगह-जगह मिट्टी, मलबे और गंदगी के ढेर कई-कई दिनों से पड़े हैं, जिन्हें उठाने के लिए सफाई कर्मी समय पर नहीं पहुंचते। इससे क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गंदगी के कारण राहगीरों को आने-जाने में कठिनाई होती है। बरसात के दिनों में पानी भरने और कीचड़ बनने से स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। आसपास रहने वाले लोगों को दुर्गंध, मच्छरों और संक्रामक बीमारियों का भी खतरा बना रहता है।

सामाजिक कार्यकर्ता संजय शर्मा ने बताया कि कई बार संबंधित अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों को इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने नगर परिषद प्रशासन से मांग की कि पांडव गली से तत्काल गंदगी और मलबा हटाकर नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

क्षेत्रवासियों ने भी प्रशासन से मांग की है कि पांडव गली की सफाई व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए, ताकि लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके तथा 'स्वच्छ भारत मिशन' के उद्देश्य को धरातल पर साकार किया जा सके। इस अवसर पर संजय कुमार शर्मा,रमन वर्मा, मुकेश, दिनेश, सोहन लाल शर्मा इत्यादि उपस्थित रहे।

लुवास में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान आयोजित

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 19 जून । लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार के भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ तथा छात्र कल्याण निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के शारीरिक शिक्षा निदेशक डॉ. विक्रम सिंह रहे। उन्होंने ह्यमाइंडफुलनेस की न्यूरोकेमिस्ट्री : भावनात्मक संतुलन हेतु भारतीय ज्ञान परंपरा एवं आधुनिक अंतःस्रावी विज्ञान का समन्वयह्व विषय पर अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि योग, ध्यान एवं माइंडफुलनेस केवल मानसिक शांति और एकाग्रता बढ़ाने के साधन नहीं हैं, बल्कि इनका मानव मस्तिष्क, तंत्रिका तंत्र तथा अंतःस्रावी (हार्मोनल) प्रणाली पर गहरा एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि नियमित योग एवं ध्यान के अभ्यास से तनाव, चिंता एवं अवसाद जैसी समस्याओं को नियंत्रित करने में सहायता मिलती है, साथ ही शरीर में सकारात्मक हामोर्नों के स्राव को बढ़ावा मिलता है, जिससे भावनात्मक संतुलन एवं मानसिक स्वास्थ्य सुदृढ़ होता है। डॉ. सिंह ने भारतीय ज्ञान परंपरा में वर्णित योग, ध्यान और आत्म-अनुशासन की अवधारणाओं को आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के आलोक में समझाते हुए कहा कि हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा आज भी पूर्णतः प्रासंगिक है तथा वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य एवं कल्याण के क्षेत्र में मार्गदर्शक की भूमिका निभा रही है। व्याख्यान के दौरान उन्होंने मस्तिष्क की कार्यक्षमता, स्मरण शक्ति, एकाग्रता एवं निर्णय क्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिभागियों को कुछ सरल किंतु प्रभावी मानसिक एवं शारीरिक अभ्यास भी करवाए। उन्होंने बताया कि नियमित रूप से इन अभ्यासों को अपनाने से मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ती है, मानसिक तनाव कम होता है तथा सकारात्मक सोच एवं भावनात्मक संतुलन विकसित होता है। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि भारतीय ज्ञान परंपरा एवं आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान के समन्वय से मानव जीवन की गुणवत्ता में व्यापक सुधार लाया जा सकता है तथा स्वस्थ, संतुलित एवं जागरूक समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं कर्मचारियों से नियमित रूप से योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, अनुशासित एवं संतुलित जीवन जीने की एक समग्र जीवन-पद्धति है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों एवं समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की भी जानकारी दी तथा कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं मानसिक सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नोएडा की कार्मिक ग्रीन सोसाइटी के मंदिर में चोरी, धार्मिक सामग्री लेकर फरार हुए चोर

नोएडा, यूटर्न/ 19 जून ।

नोएडा की हाई राइज सोसाइटी के मंदिर में चोरी की वारदात सामने आई है। मामला थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-78 स्थित सिक्का कार्मिक ग्रीन सोसाइटी के मंदिर का है, जहां देर रात अज्ञात चोरों ने मंदिर में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पूरी घटना मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, देर रात करीब 2:31 बजे दो चोर मंदिर परिसर में दाखिल हुए। सीसीटीवी फुटेज में दोनों संदिग्ध मंदिर के आसपास घूमते और चोरी की योजना बनाते दिखाई दे रहे हैं। चोरों ने सबसे पहले मंदिर में रखे दान पात्र को निशाना बनाया और उसे तोड़कर उसमें रखी नकदी निकालने का प्रयास किया। हालांकि दान पात्र मजबूत होने के कारण वे उसे तोड़ने में सफल नहीं हो सके। बताया जा रहा है कि दोनों चोर करीब 12 मिनट तक लगातार दान पात्र को तोड़ने का प्रयास करते रहे, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर उन्होंने मंदिर के अंदर प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने मंदिर में रखी एक अलमारी का ताला तोड़ दिया और वहां मौजूद धार्मिक एवं पूजा सामग्री चोरी कर ली। चोरों द्वारा चोरी किए गए सामान में शिवलिंग पर स्थापित तांबे का नागदेव, पूजा में इस्तेमाल होने वाली घंटी, बड़ा दीपक, अखंड ज्योत का दीपक, तांबे के लोटे, पीतल के दीपक तथा अन्य धार्मिक सामग्री शामिल है। चोरी के बाद आरोपी मंदिर की खिड़की से कूदकर मौके से फरार हो गए। शुक्रवार सुबह जब मंदिर के पुजारी नियमित पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे तो मंदिर का दरवाजा खुला मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। मंदिर की स्थिति देखकर उन्होंने तुरंत सोसाइटी के पदाधिकारियों और निवासियों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में लोग मंदिर परिसर में एकत्र हो गए। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई, जिसमें चोरी की पूरी घटना सामने आई। पुजारी ने तत्काल डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

कांवड़ यात्रा से पहले बिजली विभाग सतर्क, 5182 खंभे होंगे प्लास्टिक से कवर

» साहिबाबाद, यूटर्न/ 19 जून ।

जिले में आगामी कांवड़ यात्रा को देखते हुए ऊर्जा निगम ने बिजली व्यवस्था को सुरक्षित बनाने की तैयारी तेज कर दी है। मुख्यालय के निर्देश पर कांवड़ मार्ग के 5182 बिजली के खंभों को प्लास्टिक से कवर किया जाएगा। साथ ही 90 ट्रांसफार्मर की बैरिकेडिंग और 228 जगहों पर जर्जर लाइनों की मरम्मत होगी। सभी काम 30 जून तक पूरे करने का लक्ष्य है।

ऊर्जा निगम जोन-3 के मुख्य अभियंता बृजेश कुमार ने बताया कि बारिश और करंट की घटनाओं से श्रद्धालुओं को बचाना प्राथमिकता है। जर्जर तार और खराब उपकरण बदले जा रहे हैं।

तीन शिफ्ट में तैनात रहेंगे अधिकारी

कांवड़ यात्रा के दौरान बिजली फॉल्ट की तुरंत शिकायत दूर करने को विशेष टीमें तैनात रहेंगी। आठ-आठ घंटे की तीन ड्यूटी शिफ्ट बनाई गई हैं। हर शिफ्ट में एक अधिशासी अभियंता मौजूद रहेगा। कंट्रोल रूम से भी निगरानी होगी। कांवड़ शिविरों और प्रमुख मंदिरों को जरूरत के अनुसार अस्थायी बिजली कनेक्शन दिए जाएंगे। मुख्य अभियंता बृजेश कुमार ने कहा कि टीम को तय समय सीमा में सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यात्रा के दौरान सुरक्षित और निर्बाध बिजली आपूर्ति हो सके।

चौथे दिन भी नहीं चला पोर्टल, लाइसेंस बनवाने के लिए परेशान रहे लोग

गाजियाबाद, यूटर्न/ 19 जून । परिवहन विभाग का सारथी पोर्टल चौथे दिन में नहीं चला। इस कारण ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने सहित लाइसेंस से जुड़े अन्य कार्य करवाने के लिए आए लोगों को परेशान होना पड़ा। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सर्वर डाउन होने की समस्या केवल लखनऊ ही नहीं पूरे प्रदेश में बनी है। उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दी जा चुकी है। सारथी पोर्टल के जरिये ही लर्नर और परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाते हैं। परमानेंट लाइसेंस का नवीनीकरण, खो जाने पर डुप्लीकेट लाइसेंस, लाइसेंस में कोई अपडेट, अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट लेने और लाइसेंस से जुड़े सभी प्रकार की फीस जमा कराने का काम सारथी पोर्टल से ही होता है। इस काम के लिए रोजाना आरटीओ कार्यालय पर सैकड़ों लोगों का आना होता है।

भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा बरवाला के तीन दिवसीय योग शिविर का दूसरा दिन उत्साहपूर्वक संपन्न

» हरियाणा, यूटर्न/ 19 जून ।

भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा बरवाला द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय योग शिविर का दूसरा दिन ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, बरवाला में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में साधकों ने भाग लेकर योग एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। शिविर की प्रोजेक्ट चेयरमैन एवं योग प्रशिक्षिका श्रीमती सुनीता मनचंदा ने उपस्थित साधकों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया। उन्होंने बताया कि नियमित योग एवं प्राणायाम करने से शरीर स्वस्थ, निरोगी एवं ऊजार्वान बना रहता है। प्रतिदिन एक घंटा योग करने से दिनभर शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है, मानसिक तनाव कम होता है तथा कार्य करने की क्षमता बढ़ती है। योग से पेट, मस्तिष्क एवं अन्य अनेक प्रकार की समस्याओं में लाभ मिलता है तथा रक्त संचार भी सुचारू बना रहता है।

उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर बल देते हुए कहा कि दैनिक भोजन में मोटे अनाजों को शामिल करना चाहिए तथा मैदे के उपयोग से बचना चाहिए। दिन की शुरूआत जूस एवं फलों से करनी चाहिए तथा भोजन में फाइबर युक्त खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि नियमित योग और संतुलित आहार स्वस्थ जीवन की आधारशिला हैं।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा के अध्यक्ष सुरेंद्र सोनी, पूर्व प्रांतीय संयोजिका बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ सुनीता मनचंदा, पूर्व कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश मनचंदा, ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की संचालिका आदरणीय इंदिरा दीदी, डॉ. निहाल सिंह सहित अनेक भाई-बहन एवं साधक उपस्थित रहे।

शिविर का समापन 20 जून को होगा। इसके उपरांत 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी साधक उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम में कपास मंडी में भाग लेकर योग के प्रति जनजागरूकता का संदेश देंगे।

गुरुग्राम आईवीएफ डीएनए झटका: क्या होगा अगर और माता-पिता डीएनए टेस्ट कराने लगें?

संदीप शर्मा

गुरुग्राम के एक दंपति से जुड़े कथित आईवीएफ गड़बड़ी के मामले ने देश को सिर्फ इसलिए नहीं झकझोरा है कि इसमें एक गंभीर चिकित्सकीय चूक की आशंका है, बल्कि इसलिए भी कि इसने एक कहीं अधिक परेशान करने वाला सवाल खड़ा कर दिया है, क्या यह एक अकेला मामला है? वर्षों से फर्टिलिटी क्लीनिक भरोसे की नींव पर खड़े हैं। संतान की चाह रखने वाले दंपति, जो अक्सर वर्षों की निराशा, मानसिक तनाव और भारी आर्थिक बोझ से गुजर चुके होते हैं, अपनी सबसे निजी उम्मीदें इन संस्थानों के हवाले कर देते हैं। उन्हें विश्वास होता है कि उनके अंडाणु, शुक्राणु और भ्रूण को पूरी सावधानी और सटीकता के साथ संभाला जाएगा। अधिकांश लोगों को इस प्रक्रिया पर कभी संदेह करने का कारण नहीं मिलता। लेकिन गुरुग्राम के इस मामले ने उस भरोसे में पहली बार दरार डाल दी है। यदि डीएनए जांच से यह साबित होता है कि वास्तव में भ्रूण या शिशु की अदला-बदली हुई थी, तो इसके परिणाम सिर्फ एक परिवार तक सीमित नहीं रहेंगे। यह मामला उन अन्य माता-पिता को भी आनुवंशिक जांच कराने के लिए प्रेरित कर सकता है, जिन्होंने वशक्रिया अन्य सहायक प्रजनन तकनीकों के माध्यम से संतान प्राप्त की है और जिनके मन में कभी कोई शंका या अनुत्तरित सवाल रहा हो। संभव है कि अधिकांश जांचें यह साबित करें कि सब कुछ सही तरीके से हुआ था। लेकिन ऐसी कुछ और घटनाओं की संभावना मात्र भी उस उद्योग में लोगों का विश्वास हिला सकती है, जो पूरी तरह विश्वसनीयता पर टिका है। मुद्दा यह नहीं है कि ऐसी गलतियां व्यापक स्तर पर हो रही हैं। अभी तक ऐसा कोई प्रमाण नहीं है। चिंता इस बात की है कि यदि एक भी मामला साबित हो जाता है, तो हजारों परिवार यह सोचने पर मजबूर हो सकते हैं कि जिन सुरक्षा उपायों को वे अचूक मानते थे, क्या वे वास्तव में मानवीय त्रुटियों से मुक्त हैं? यह संभावना नियामक संस्थाओं के लिए उतनी ही चिंता का विषय होनी चाहिए जितनी फर्टिलिटी क्लीनिकों के लिए। पिछले एक दशक में भारत का फर्टिलिटी सेक्टर तेजी से बढ़ा है। प्रजनन चिकित्सा में हुई प्रगति ने लाखों दंपतियों को माता-पिता बनने का अवसर दिया है। लेकिन इस विकास की तुलना में नियमन और निगरानी की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो सकी। गुरुग्राम का विवाद इस बात को रेखांकित करता है कि प्रजनन सामग्री की निगरानी, ऑडिट और 'चेन ऑफ कस्टडी' प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। फर्टिलिटी उद्योग अक्सर यह तर्क देता है कि भ्रूण की अदला-बदली जैसी घटनाएं बेहद दुर्लभ हैं। यह सही हो सकता है। लेकिन जिन क्षेत्रों में लोगों का जीवन और भविष्य दांव पर लगा हो, वहां सिर्फ 'दुर्लभ' होना पर्याप्त नहीं होता। विमान दुर्घटनाएं भी दुर्लभ होती हैं, फिर भी हर दुर्घटना की गहन जांच होती है, क्योंकि जनता का भरोसा पारदर्शिता और जवाबदेही पर निर्भर करता है। यदि अधिक माता-पिता डीएनए जांच का रास्ता चुनते हैं, तो इसे उद्योग के लिए खतरे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। बल्कि इसे विश्वास बहाली के अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। जिन क्लीनिकों के मानक उच्च हैं, उन्हें ऐसी व्यवस्थाओं का स्वागत करना चाहिए जो उनकी प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता को साबित कर सकें। सबसे बड़ी चुनौती मनोवैज्ञानिक है। एक बार जब संदेह लोगों के मन में घर कर लेता है, तो वह तेजी से फैलता है। आईवीएफ प्रक्रिया से गुजर रहे दंपति उन व्यवस्थाओं पर सवाल उठाने लग सकते हैं जिन पर वे अब तक आंख मूंदकर भरोसा करते थे। जो लोग भविष्य में आईवीएफ करवाने की सोच रहे हैं, वे भी आशंकित हो सकते हैं। यदि नियामक और क्लीनिक समय रहते स्पष्ट और निर्णायक प्रतिक्रिया नहीं देते, तो अफवाहें और अटकलें उस खाली जगह को भर देंगी। इसीलिए गुरुग्राम का यह मामला केवल एक परिवार और एक क्लीनिक के बीच का विवाद नहीं माना जा सकता। यह पूरे तंत्र की विश्वसनीयता की परीक्षा है। जांच का परिणाम महत्वपूर्ण होगा, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण होगा कि इसके बाद व्यवस्था किस तरह प्रतिक्रिया देती है। क्योंकि यदि एक डीएनए टेस्ट ने एक परिवार की दुनिया बदल दी है, तो यह सुनिश्चित करना सरकार और नियामकों की जिम्मेदारी है कि हजारों अन्य परिवार इस सवाल के साथ न जीएं कि क्या उन्हें भी अपने बच्चों की पहचान की पुष्टि के लिए डीएनए जांच करानी चाहिए।

अमेरिका-ईरान युद्ध: 7500 मौत, 162 लाख करोड़ का नुकसान फिर शांति विराम

सारी लड़ाई ड्रोन और मिसाइल के माध्यम से लड़ी गई। इसमें लगभग 162 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। पिछले कई दशकों में जो विकास हुआ था वह सब विनाश में तब्दील हो गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो अपने आपको सुपर हीरो मानकर चल रहे थे इस 110 दिन की लड़ाई में उनके हाथ कुछ नहीं लगा।

» सनत जैन

मान्यता है इतिहास से सबक लिया जाता है। जो इतिहास से सबक लेते हैं, वे भविष्य में वह गलतियां नहीं करते हैं जो उनके पूर्वज कर चुके होते हैं। पर इतिहास से कोई सबक सीखता नहीं है, सभी को लगता है कि उनके पूर्वजों ने जो गलती की थी वह उनसे नहीं होगी। वह उनसे ज्यादा ताकतवर और समझदार हैं। इसलिए वह इतिहास की उन्हीं गलतियों को दोहराता है और एक बार फिर विनाश की ओर आगे बढ़ता है। विनाश के बाद विकास होने की गतिशीलता ही जन्म, मृत्यु और ब्रह्मांड को हमेशा क्रियाशील रखती है। यही कहा जा सकता है। हाल ही में अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया। अमेरिका और इजराइल यह मानकर चल रहे थे कि एक सप्ताह के अंदर इजराइल की सत्ता को पलट देंगे। वहां पर उनकी मर्जी से नया राज कायम हो जाएगा। ईरान, अमेरिका और इजराइल की मनमर्जी से चलेगा। उन्होंने ईरान के सुप्रीमो आयतुल्लाह खामेनेई और उनके बड़े-बड़े नेताओं की हमले में हत्या कर दी। एक स्कूल में हमला कर 165 से ज्यादा मासूम बच्चियों की हत्या कर दी। इसके कारण जो ईरान आंतरिक असंतोष झेल रहा था, सुप्रीमो खामेनेई और बच्चियों की हत्या के बाद ईरान एकजुट हो गया और उसने अमेरिका और इजराइल से पिछले 47 वर्षों में उसके साथ जो अत्याचार हुए थे इसका बदला लेने के लिए डू एंड डाई की स्थिति में आ गए।

अमेरिका और इजराइल की दादागिरी को उन्होंने अपनी इच्छाशक्ति और अपने जीवन को बचाने के लिए जिस तरह की लड़ाई लड़ी है उससे सारी दुनिया हैरान है। अमेरिका, ईरान युद्ध में अभी तक 7500 से ज्यादा मोतें हो चुकी हैं। 110 दिन चले इस युद्ध में जमीन पर फौज ने लड़ाई नहीं लड़ी है। सारी लड़ाई ड्रोन और मिसाइल के माध्यम से लड़ी गई। इसमें लगभग 162 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। पिछले कई दशकों में जो विकास हुआ था वह सब विनाश में तब्दील हो गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो अपने आपको सुपर हीरो मानकर चल रहे थे इस 110 दिन की लड़ाई में उनके हाथ कुछ नहीं लगा। इससे जो उनकी अजेय होने साख बनी हुई थी वह समाप्त हो गई। इजराइल को जो नुकसान हुआ है, उसकी कल्पना कभी उसने नहीं की थी। गाजा में जिस तरह से महिलाओं और बच्चों को बुरी तरह से मारा गया था, ऐसा नरसंहार दुनिया के लोगों ने पहले कभी नहीं देखा था। लगता है ईश्वर ने उनके अहंकार और स्वयं को ईश्वर मानने की जो गलती की थी उसका दंड दिया है।

इस युद्ध में वैसे तो भारत का कोई लेना-देना नहीं था लेकिन जिस तरह से भारत ने अमेरिका और इजराइल का समर्थन किया है। गाजा के मामले में चुप्पी साधे रखी। इजराइल को भारत के प्रधानमंत्री ने अपना फादर लैंड बता दिया। इसकी कीमत भारत को भी चुकानी पड़ रही है। भारत ने जहां ईरान जैसे पड़ोसी देश जो हर सुख-दुख में भारत के साथ होता था उसको खो दिया है। भारत की जनता को भी इस युद्ध का नुकसान उठाना पड़ रहा है। युद्ध कोई भी हो यह सिवाय विनाश के कुछ नहीं देता है। भारत में भी महाभारत युद्ध का एक इतिहास है। भगवान कृष्ण के होते हुए वह कौरवों से पांडवों को पांच गांव नहीं दिला पाए थे। युद्ध हुआ ना कौरव के हाथ कुछ लगा ना पांडवों के हाथ कुछ लगा। विनाश इतना बड़ा हुआ जिसका उल्लेख धर्म शास्त्रों में होने के बाद भी भारत पहली बार इस युद्ध में अमेरिका और इजराइल के साथ खड़ा रहकर एक तरह से पाप का भागी बन गया है। इसकी कीमत भारत की जनता को भी चुकानी पड़ रही है। बहरहाल जो भी घटनाएं होती हैं, उनसे सबक लिया जा सकता है। अभी भी यूक्रेन और रूस के बीच में रोजाना हमले हो रहे हैं। भारी तबाही हो रही है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के इस युद्ध से यदि रूस और यूक्रेन कोई सबक ले लें और शांति विराम की पहल करें तो यह बहुत अच्छा कदम होगा। दुनिया के सभी देशों को इस युद्ध से सबक लेने की जरूरत है। यही कहा जा सकता है।

आभार जताना सीखो

मेरी एक संत मित्र थीं विमल। गर्मी के दिन थे और हम लोग गंगा तट पर बैठे हुए थे। गंगा तट पर बैठने से बड़ी ठंडी हवा लग रही थी। यूं तो बहुत गर्मी थी। अचानक से उन्होंने अपने झोले से आम निकाले और आम उन्होंने गंगा जी में उतार दिए ताकि ठंडे हो जाएँ और जब ठंडे हो गए तो उन्होंने एक मुझे दिया एक स्वयं लिया। उन्होंने आम हाथ में पकड़ा है और आम को देखती जा रही हैं। देखते-देखते उन्होंने कहा, यह आम का पेड़ जाने किस किसान ने कब बोया होगा, कितने पेड़ मर-मरा जाते हैं। चलते ही नही लेकिन यह पेड़ चलता रहा। सब झेल गया, आंधी तूफान सब झेल गया। मरा नहीं स्वस्थ रहा। अभी वह बड़ा हुआ। अभी उस पर बौर आए। फिर उस पर फल लगे और जाने कितने ही बार इस पेड़ पर कितने ही फल लगे होंगे और जाने किस-किसने खाए होंगे। लेकिन यह एक आम उतरा, टोकरी में गया। टोकरी से मंडी, मंडी से ट्रेडर, ट्रेडर से रीटेलर। और फिर अंत में रेहड़ी वाले के पास इतने आम थे, पर मैंने चुन कर कुछ आमों को निकाला और गंगा तट पर ये जो आम लाई हूं और उनमें से एक आम आपको दे दिया। पर यह आम मेरे हिस्से में आया। तो यह आम मुझ तक कितनी लम्बी यात्रा कर के आ रहा है। भावविभोर हो कर विमल ने कहा कि परमात्मा ने इस फल को खासम-खास मेरे लिए ही उगाया था। इसको मैं कहती हूं- संवेदनशील होना। इतने खेत, इतने पेड़, इतने आम, इतने रीटेलर, इतने रेहड़ी वाले, करोड़ों आम निकलते हैं। पर उन करोड़ों आमों में से यह एक छंट कर मुझ तक पहुंचा। भगवान ने खासम-खास यह आम मेरे लिए उगाया है तो यह तो परमात्मा का प्रसाद है और वह आम से ऐसे बात कर रही थीं जैसे आम उसकी बात को सुन रहा हो। और उस आम से कहती हैं, जब मैं तुम्हें खाऊंगी तो बहुत रस लेकर खाऊंगी और जब तू मेरे भीतर जाएगा तो तू मेरे भीतर ईश्वरीय प्रेम को और जगा देगा। ईश्वर ने प्रसाद भेजा है और इस ईश्वरीय प्रसाद को खा कर (क्योंकि जो अन्न हम खाते हैं उससे न केवल हमारा शरीर बनता है बल्कि हमारे मन का भी तो निर्माण इसी से होता है) मेरे मन में ईश्वरीय प्रेम निश्चित तौर पर बढ़ेगा। तो वह आम से प्रार्थना कर रही हैं कि, जब तू मेरे भीतर जाए तो मेरे भीतर प्रेम बढ़े।...

सड़क दुर्घटनाओं का बढ़ता संकट और जिम्मेदारी की जरूरत

कांतिलाल मांडोत

वडोदरा बस हादसा एक चेतावनी

गुजरात के वडोदरा में हालोल-वडोदरा हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे ने एक बार फिर देश को झकझोर दिया है। राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत जा रही एक निजी बस खड़े ट्रक से टकरा गई, जिसमें आठ यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह ट्रक में समा गया। राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों को घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी। यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि हमारी सड़क सुरक्षा व्यवस्था, वाहन संचालन और यातायात अनुशासन पर गंभीर प्रश्नचिह्न है।

भारत में सड़क दुर्घटनाएं अब सामान्य खबर बन चुकी हैं। लगभग हर दिन कहीं न कहीं किसी बस, ट्रक, कार या दोपहिया वाहन की टक्कर में लोगों की जान जा रही है। दुखद बात यह है कि इन हादसों में केवल एक व्यक्ति नहीं मरता, बल्कि उसके साथ पूरे परिवार की उम्मीदें और सपने भी समाप्त हो जाते हैं। परिवार का कमाने वाला सदस्य चला जाए तो पीछे रह जाने वाले लोगों का जीवन आर्थिक और मानसिक संकट में घिर जाता है।

तेज रफ्तार मौत का असली कारण है। सड़क दुर्घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण तेज रफ्तार है। आधुनिक वाहन पहले की तुलना में अधिक शक्तिशाली और तेज हो गए हैं, लेकिन सड़क पर चलने वाले

अनेक लोग अभी भी यातायात नियमों को गंभीरता से नहीं लेते। निर्धारित गति सीमा का पालन न करना, ओवरटेकिंग की होड़ और जल्द से जल्द गंतव्य तक पहुंचने की मानसिकता कई बार जानलेवा साबित होती है विशेषज्ञों का मानना है कि किसी वाहन की गति जितनी अधिक होती है, दुर्घटना की स्थिति में उसके परिणाम उतने ही घातक होते हैं। चालक को वाहन नियंत्रित करने का समय कम मिलता है और टक्कर का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। वडोदरा हादसे में भी बस के ट्रक में घुस जाने से यह स्पष्ट होता है कि वाहन की गति काफी अधिक रही होगी या चालक समय पर वाहन नियंत्रित नहीं कर सका।

लंबी दूरी के वाहन चालकों के लिए सबसे बड़ा खतरा थकान और नींद है। बस और ट्रक चालक कई बार लगातार घंटों तक वाहन चलाते रहते हैं। पर्याप्त विश्राम नहीं मिलने पर उनकी एकाग्रता कम हो जाती है और कुछ सेकंड की झपकी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

रात और तड़के सुबह का समय विशेष रूप से जोखिम भरा माना जाता है। इसी समय शरीर स्वाभाविक रूप से विश्राम चाहता है और चालक को नींद आने की संभावना बढ़ जाती है। वडोदरा हादसा भी सुबह लगभग चार बजे हुआ, जब अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे। यदि चालक को झपकी आई हो या उसका ध्यान कुछ क्षण के लिए भटका हो तो परिणाम बेहद विनाशकारी हो सकते हैं।

इसलिए परिवहन कंपनियों और वाहन मालिकों की जिम्मेदारी है कि वे चालकों के कार्य घंटों को नियंत्रित करें और उन्हें पर्याप्त आराम का अवसर दें। केवल आर्थिक लाभ के लिए लगातार वाहन चलवाना मानव जीवन के साथ खिलवाड़ है।

शराब पीकर वाहन चलाना गंभीर अपराध है। सड़क दुर्घटनाओं का एक अन्य बड़ा कारण शराब पीकर वाहन चलाना है। नशे की अवस्था में चालक की निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। वह दूरी, गति और खतरे का सही आकलन नहीं कर पाता। यही कारण है कि अधिकांश देशों में शराब पीकर वाहन चलाने के खिलाफ कठोर कानून बनाए गए हैं।

भारत में भी कानून मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन और प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी चुनौती बना हुआ है। पुलिस द्वारा समय-समय पर अभियान चलाए जाते हैं, फिर भी बड़ी संख्या में लोग नियमों की अनदेखी करते हैं। जब तक समाज में इस अपराध के प्रति शून्य सहनशीलता की भावना विकसित नहीं होगी, तब तक दुर्घटनाओं में कमी लाना कठिन होगा।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए 15 जुलाई से होगा लागू, व्हिस्की व ब्यूटी प्रोडक्ट होंगे सस्ते

इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार में हर साल 25 .5 अरब पाउंड की होगी बढ़ोतरी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून ।**

भारत-ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौता लागू होने की तारीख का ऐलान कर दिया है। अगले महीने 15 जुलाई से ये प्रभावी हो जाएगा। एफटीए लागू होने के साथ ही आयात-निर्यात किए जाने वाले सामनों पर भारी टैरिफ कटौती भी देखने को मिलेगी। समझौते के तहत भारत में व्हिस्की पर लगने वाला टैरिफ 150फीसदी से घटकर सिर्फ 40फीसवदी हो जाएगा। इसके साथ ही ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि लॉन्गटर्म में इस करार से द्विपक्षीय व्यापार में प्रति वर्ष 25.5 अरब पाउंड की बढ़ोतरी होगी। दोनों देशों ने इस एफटीए का ऐलान करते हुए कहा कि द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों के लिए ये मील का पत्थर साबित होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूएस सरकार की ओर से कहा गया है कि भारत-ब्रिटेन के व्यवसायों को अब समझौते को लागू करने की तैयारी के लिए 28 दिन का समय दिया गया है, जिसके बाद वे नई शर्तों के तहत व्यापार कर सकेंगे। ब्रिटिश अनुमानों के मुतारबिक इस समझौते से ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में 4.8 अरब पाउंड का इजाफा होगा और वास्तविक वेतन में 2.2 अरब पाउंड की वृद्धि देखने को मिलेगी। लंदन इस समझौते को भारत द्वारा अब तक लागू किया गया सबसे बड़ा व्यापक व्यापार समझौता बता रहा है।

एफटीए लागू होने के बाद जो चीजें सस्ती होंगी। उनमें सबसे ज्यादा लाभ ब्रिटेन के स्कॉच व्हिस्की बिजनेस को होगा। भारत ने व्हिस्की पर आयात शुल्क 150फीसदी से घटाकर 40फीसदी करने पर सहमति जताई है। इसके अलावा कोटा व्यवस्था के तहत ऑटोमोबाइल पर टैरिफ भी 100फीसदी से घटाकर सिर्फ 10फीसदी कर दिया जाएगा। ब्यूटी प्रोडक्ट्स समेत कई अन्य उत्पादों पर लगने वाले 22फीसदी तक के टैरिफ को या तो एफटीए के तहत तत्काल या फिर 10 सालों तक की अवधि में खत्म कर दिया जाएगा।

वहीं दूसरी ओर ब्रिटेन भारतीय निर्यात पर टैरिफ कट या इसे कम करेगा। इनमें कपड़े, जूते और कुछ फूड प्रोडक्ट्स शामिल हैं। इस कदम से उपभोक्ताओं के लिए कीमतें कम होंगी और उन्हें ज्यादा विकल्प मिलेंगे।

संक्षिप्त खबरें

रुपया 20 पैसे चढ़कर 94.20 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई, यूटर्न/ 19 जून । रुपया शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में 20 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.20 पर पहुंच गया। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता में तेजी आने की उम्मीद के बीच घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अनुकूल कीमतों और विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार से रुपया सकारात्मक रुख के साथ खुला। रुपये का समग्र रुझान सकारात्मक बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.30 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में मजबूती के साथ बढ़कर 94.20 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो इसके पिछले बंद भाव से 20 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को 10 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.92 पर रहा।

एसयूवीकोडियाक आरएस होगी 22 जून को पेश

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून । कार निमार्ता कंपनी स्कोडा ऑटो इंडिया अपनी परफॉरमेंस एसयूवी, कोडियाक आरएस, को 22 जून को पेश करने वाली है। इसकी लीक तस्वीरें देखकर आरएस बैज वाली एसयूवी स्कोडा की सबसे बेहतरीन पेशकश मानी जा रही है, जो ब्रांड की 50 सालों से अधिक पुरानी आरएस विरासत और 125 सालों के मोटरस्पोर्ट इतिहास को आगे बढ़ाएगी। लीक हुई तस्वीरों में कोडियाक आरएस शानदार लाल रंग में दिखी है, जिसमें आरएस ग्रिल, फ्रंट-सीट मोटिफ्स पर लाल सिलाई और पिछले हिस्से पर वीआरएस बैज लगे हैं। सिग्नेचर आरएस ग्रिल के साथ इसका अगला हिस्सा अब स्टैंडर्ड कोडियाक के मुकाबले बड़े एयर वेंट्स के साथ ज्यादा स्पोर्टी दिखता है।

ई-दोपहिया वाहनों पर खत्म होगी 5,000 की सब्सिडी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून । देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों को जल्द ही अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। सरकार की पीएम ई-ड्राइव सब्सिडी योजना अपने अंतिम चरण में है, क्योंकि इसके तहत आवंटित राशि लगभग समाप्त हो चुकी है। इस स्थिति को देखते हुए, प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन निमार्ताओं ने अपने डीलरों को सभी लंबित सब्सिडी दावों को तत्काल जमा करने का निर्देश दिया है, जिससे सब्सिडी समाप्त होने से पहले अधिकतम वाहनों को इसका लाभ मिल सके। सूत्रों के अनुसार सब्सिडी समाप्त होने के बाद ग्राहकों को ई-दोपहिया के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। बजाज ऑटो ने 15 जून को अपने चेतक डीलरों को सभी लंबित दावों को तुरंत अपलोड करने का निर्देश दिया था, साथ ही अंतिम तारीख के बाद सब्सिडी रहित वाहनों की कीमतों की घोषणा की बात कही। टीवीएस मोटर और हीरो मोटोकॉर्प सहित अन्य कंपनियों ने भी अपने डीलरों को इसी तरह के निर्देश दिए हैं। भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा सितंबर 2024 में शुरू की गई पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत, 1.5 लाख रुपये से कम कीमत वाले ई-दोपहिया पर प्रति वाहन 5,000 रुपये तक का प्रोत्साहन मिलता है। इस योजना का लक्ष्य 24.79 लाख वाहनों को सब्सिडी देना था। आंकड़ों के अनुसार, 15 जून तक लगभग 23.29 लाख वाहनों को पहले ही प्रोत्साहन मिल चुका है, जिससे केवल लगभग 1.5 लाख वाहनों के लिए सब्सिडी भुगतान मिलना बाकी है।

रॉयल एनफील्ड को कड़ी टक्कर देने उतरी येज्दी और बीएसए

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून । महंगी बाइक निमार्ता कंपनी रॉयल एनफील्ड को कड़ी टक्कर देने के लिए, येज्दी और बीएसए अब भारतीय बाजार में एंट्री करने वाली है। रॉयल एनफील्ड को टक्कर देने अपनी नई येज्दी स्क्रैम्बलर 350 और बीएसए स्क्रैम्बलर 650 की रिटेल बिक्री नई दिल्ली में अपने ऑफिशियल डीलरशिप पर शुरू कर दी है।

ये ब्रांड अपनी मूल स्क्रैम्बलर विरासत को आगे बढ़ाते हुए, उन राइडर्स के लिए दो बेहतरीन मोटरसाइकिलें लेकर आए हैं जो शहरों में सहज, हाईवे पर संतुलित और उबड़-खाबड़ रास्तों पर रोमांचक सवारी चाहते हैं। येज्दी स्क्रैम्बलर 350 और बीएसए स्क्रैम्बलर 650 में खास तौर से तैयार किए गए पावरट्रेन और मजबूत, आकर्षक डिजाइन दिया गया है। येज्दी स्क्रैम्बलर 350 भारत की सबसे हल्की 350सीसी स्क्रैम्बलर है, जिसे शहरी आवागमन और वीकेंड के सफर दोनों के लिए इंजीनियर किया गया है।

वैश्विक चिप उद्योग में 10 लाख पेशेवरों की कमी, भारत के लिए बड़ा अवसर : अश्विनी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून ।**

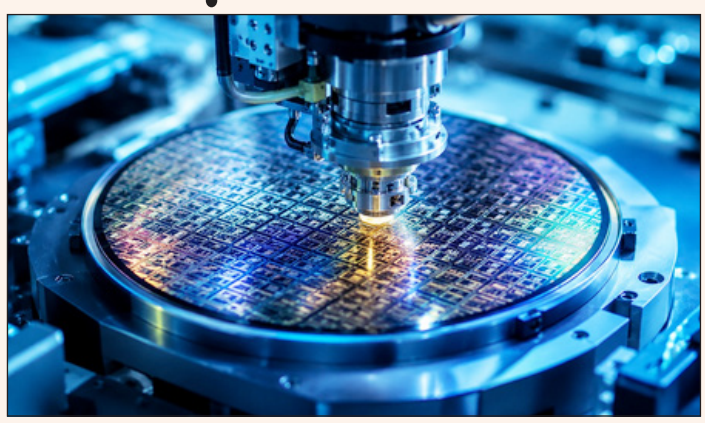

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग लगभग 10 लाख पेशेवरों की कमी का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए एक बड़ा अवसर है और देश इस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाला प्रमुख केंद्र बन सकता है। पटना स्थित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) केंद्र में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का वर्तमान आकार लगभग 800 अरब डॉलर है और अगले एक वर्ष के भीतर इसके 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की संभावना है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा, ह्लवर्ष 2032 तक वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 10 लाख नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। वहीं उद्योग को करीब 10 लाख कुशल पेशेवरों की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है।ह्व उन्होंने कहा कि भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए दो प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देना होगा - सेमीकंडक्टर डिजाइन और सेमीकंडक्टर निर्माण।

मंत्री के अनुसार, सरकार देश में विश्वस्तरीय सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षमता विकसित करने की दिशा में काम कर रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भारतीय छात्र दुनिया के सबसे बेहतर प्रशिक्षित पेशेवरों में शामिल हों।

उन्होंने कहा, ह्लजब छात्र सेमीकंडक्टर डिजाइन कौशल के साथ स्नातक होकर निकलें, तो उन्हें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं में गिना जाए और उन्हें तुरंत उद्योग में अवसर मिलें।ह्व अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से अब तक लगभग 75 हजार छात्रों को आकर्षक अवसर मिल चुके हैं। उन्होंने कहा, ह्लहमारा लक्ष्य इस संख्या को 75 हजार से बढ़ाकर 5 लाख छात्रों तक पहुंचाना है।ह्व

मंत्री ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण गतिविधियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, वैसे-वैसे निर्माण से जुड़े कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी तैयार किए जाएंगे। भारत अपनी सेमीकंडक्टर मिशन योजना के तहत डिजाइन, निर्माण और पैकेजिंग को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है और देश भर में कई परियोजनाएं इस समय क्रियान्वयन के चरण में हैं। एसटीपीआई केंद्र के दौरे के दौरान अश्विनी वैष्णव ने देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को महानगरों से बाहर ले जाने की सरकार की कोशिशों पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए टियर-2 और टियर-3 शहरों में एसटीपीआई केंद्रों को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

भारत में 65,000 करोड़ रुपए से अधिक की कोयला गैसीकरण परियोजनाओं पर चल रहा काम: सरकार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून ।**

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, भारत में 65,000 करोड़ रुपए से अधिक की कोयला गैसीकरण परियोजनाओं पर वर्तमान में काम चल रहा है, जो इस बात का संकेत है कि कोयले को रसायनों, ईंधन और औद्योगिक कच्चे माल में बदलने की सरकार की पहल अब केवल नीतिगत योजना तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर भी तेजी से लागू हो रही है।

हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने कहा कि इस क्षेत्र को उद्योग जगत से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है।

उनके अनुसार, जनवरी 2024 में स्वीकृत 8,500 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन योजना के तहत आठ परियोजनाएं पहले से ही क्रियान्वयन के चरण में हैं।

इन परियोजनाओं को 6,233 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन समर्थन मिला है। ये परियोजनाएं कोयले से सिंथेटिक प्राकृतिक गैस (एसएनजी), एथेनॉल, हाइड्रोजन, एसीटिक एसिड, अमोनियम नाइट्रेट, डीआरआई आधारित इस्पात और सतत विमानन ईंधन जैसे क्षेत्रों से जुड़ी हुई हैं।

सरकार 37,500 करोड़ रुपए की बड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत निविदा आमंत्रण (आरएफपी) को भी अंतिम रूप दे रही है। मसौदा दस्तावेज को हितधारकों से सुझाव लेने के लिए पहले ही सार्वजनिक किया जा चुका है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि महाराष्ट्र कोयला गैसीकरण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। राज्य में पहले से ही पांच परियोजनाओं पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के माध्यम से कोयले की उपलब्धता, मजबूत औद्योगिक ढांचा और नीतिगत सहयोग का लाभ मिल रहा है।

तीन महीने बाद हॉर्मुज स्ट्रेट पार कर दहेज पहुंचा एलएनजी टैंकर 'दिशा', 62,370 मीट्रिक टन गैस लेकर लौटा

» **भरूच, यूटर्न/ 19 जून ।**

तीन महीने के इंतजार के बाद एलएनजी टैंकर 'दिशा' सफलतापूर्वक हॉर्मुज स्ट्रेट पार करते हुए गुजरात के दहेज पहुंचा है। यह टैंकर शुक्रवार सुबह लगभग 7:32 बजे दहेज एलएनलजी टर्मिनल पर आया।

जानकारी के अनुसार, यह जहाज कतर के रास लाफान एलएनजी टर्मिनल से 62,370 मीट्रिक टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) लेकर रवाना हुआ था। टैंकर 'दिशा' लगभग तीन महीने से अधिक समय तक गल्फ क्षेत्र में फंसा हुआ था। मध्य-पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव और हॉर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षा स्थिति को लेकर अनिश्चितता के कारण इसकी यात्रा में देरी हुई थी।

यह जहाज शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम की ओर से संचालित किया जा रहा है। इसे पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के लिए चार्टर किया गया है।

क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं और समुद्री मार्गों पर बढ़ते तनाव के चलते 'दिशा' को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। इसके बावजूद जहाज ने सुरक्षित रूप से अपनी यात्रा पूरी की और भारत पहुंचा। मध्य-पूर्व की तनावपूर्ण स्थिति के बाद हॉर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले पहले भारतीय एलएनजी कैरियर्स में 'दिशा' का नाम भी शामिल हो गया है। ऐसे संवेदनशील समय में जहाज का सुरक्षित रूप से दहेज पहुंचना भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दहेज स्थित एलएनजी टर्मिनल देश का सबसे बड़ा एलएनजी आयात केंद्र है। ऐसे में 'दिशा' का सुरक्षित आगमन भारत के प्राकृतिक गैस आपूर्ति तंत्र के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। हॉर्मुज स्ट्रेट दुनिया के ऊर्जा व्यापार का एक रणनीतिक समुद्री मार्ग है, जहां तनाव के कारण एलएनजी और कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बनी हुई थी।

संक्षिप्त खबरें

बिना लाइसेंस मांस, मछली व पोल्ट्री कारोबार पर होगी कार्रवाई

फरीदाबाद, यूटर्न/ 19 जून । नगर निगम क्षेत्र में मांस, मछली एवं पोल्ट्री से जुड़े कारोबार को नियमानुसार संचालित करने के लिए नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। निगम प्रशासन ने ऐसे सभी प्रतिष्ठानों को 15 दिन के भीतर आवश्यक लाइसेंस लेने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित अवधि के बाद बिना लाइसेंस कारोबार करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नीतीश परवाल ने बताया कि हरियाणा नगर निगम अधिनियम 1994 की धारा 329 एवं 331 तथा संबंधित नियमों के तहत बिना वैध लाइसेंस के मांस, मछली अथवा पोल्ट्री से जुड़ा कोई भी व्यापार संचालित नहीं किया जा सकता। नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान है।

नगर निगम के अनुसार मांस के प्रसंस्करण और बिक्री से जुड़ी सभी गतिविधियां भी लाइसेंस के दायरे में आती हैं। इसके लिए नगर निगम से विधिवत अनुमति लेना अनिवार्य होगा। निगम ने ढाबा संचालकों, रेस्टोरेंट, बार, कैंटीन, होटल, मोटल तथा अन्य संबंधित संस्थानों को निर्देश जारी कर समय रहते लाइसेंस प्राप्त करने को कहा है। प्रशासन का कहना है कि इस कदम से खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित होगा और उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। नगर निगम ने व्यापारियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर लाइसेंस लेकर नियमों का पालन करें, ताकि किसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके।

कई इलाकों में घंटों ट्रिपिंग, लोगों को हुई परेशानी

गाजियाबाद, यूटर्न/ 19 जून । 24 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा करने वाला ऊर्जा निगम इस समय अपने ही दावों पर खरा नहीं उतर पा रहा है। शहर के कई इलाकों में लगातार ट्रिपिंग ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। हर घंटे पांच से सात मिनट के लिए बिजली गुल होने की वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे खराब स्थिति जोन दो और तीन में है।

शहर के पटेल नगर, कैलाभट्ठा, नंदग्राम, साहिबाबाद, मोहननगर, इंदिरापुरम समेत कई इलाकों में फॉल्ट के नाम पर कई-कई घंटे बिजली गुल हो जा रही है। लोगों का आरोप है कि इसको लेकर शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ऊर्जा निगम के अधिकारियों को फोन मिलाने पर वह फोन भी नहीं उठा रहे हैं। कैलाभट्ठा निवासी राकेश कुमार का कहना है कि बिजली तो आ रही है, लेकिन वोल्टेज इतना कम है कि पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि बिजली की समस्या को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है।

नवजात तस्करी का पदार्फाश 8-10 लाख में बिकते थे मासूम

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून ।

नवजात बच्चों का सौदा करने में प्रतिभा अहम भूमिका अदा करती थी। हीरा मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल के अलावा दिल्ली-एनसीआर के कई आईवीएफ सेंटर और अस्पतालों से इसके संपर्क थे। प्रतिभा ऐसे दंपती की तलाश करती थी, जिनके यहां बच्चे पैदा नहीं हो पा रहे थे। इसके अलावा ऐसे परिवारों की तलाश की जाती थी, जिनके यहां बेटी ही है। अस्पताल के जरिए ऐसे परिवारों तक पहुंच बनाने के उनको 3-4 दिन का नवजात बच्चा, वह भी पूरी कानूनी प्रक्रिया के तहत देने का दावा कर तैयार कर लिया जाता था। बदले में 8 से 10 लाख रुपये तक की रकम को वसूल लिया जाता था।

गुजरात और राजस्थान से नवजात को लाने की जिम्मेदारी ज्योति, शालू, ललित और विपिन की थी। बच्चा लाने के बाद उसको हीरा मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल में रख दिया जाता था। इसके बाद खरीदार दंपती को अस्पताल बुलाकर बच्चे और परिवार के जन्म से लेकर बाकी फर्जी कागजात तैयार कर बच्चे को दंपती को सौंप दिया जाता था। शुरूआती पूछताछ में आरोपी 30 बच्चे बेचने की बात कर रहे हैं लेकिन पुलिस आशंका जता रही है कि इन लोगों ने ज्यादा बच्चों का सौदा करवाया है। मध्य जिला के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि प्रतिभा के खिलाफ वर्ष 2023 में आईजीआई एयरपोर्ट थाने में नवजात बच्चों का सौदा करने का मामला दर्ज हुआ था। इसी मामले में प्रतिभा की करीबी ओमवती भी शामिल थी।

ऑन डिमांड होता था बच्चों का इंतजाम

साएबा भाई ने बताया कि दिल्ली से ऑन डिमांड बच्चे उपलब्ध करवाए जाते थे। दिल्ली से इशारा मिलने के बाद वह बच्चे को खरीद लेता था। बच्चा लेने से एक दिन पहले वह ज्योति और ललित को सूचना दे देता था। कार चालक विपिन को लेकर ज्योति उर्फ कमलेश, शालू और ललित बच्चा लेने गुजरात या राजस्थान पहुंच जाते थे। बच्चा लेकर या तो यह सीधे हीरा अस्पताल पहुंचते थे या ज्योति उसे पहाड़गंज लेकर आ जाती थी। इसके बाद बच्चे को अगले दिन अस्पताल पहुंचाया जाता था। ज्योति का परिवार तिलक नगर, दिल्ली, शालू का परिवार टैगोर गार्डन, दिल्ली, ललित लक्ष्मी नगर, प्रतिभा गोयला विहार, विपिन कुतुब विहार में रहते हैं। वहीं ओमवती गुरुग्राम में रहती है। वहीं डॉ. विवेकी का परिवार रोहिणी में रहता है। डॉक्टर न होने के बाद भी वह बड़ा अस्पताल चला रही थी। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल के लिए वह मेडिकल काउंसिल को लिखेंगे ताकि लाइसेंस को रद्द कराया जा सके।

पुलिस ने बच्चा तस्कर गिरोह पकड़ा

पुलिस ने नवजात बच्चों की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश कर दिल्ली के निजी अस्पताल की संचालिका समेत 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से पांच नवजातों को बरामद कर आश्रय गृह भेजा गया है।

ई-रिक्शा की टक्कर से घायल बुजुर्ग की अस्पताल में मौत

साहिबाबाद, यूटर्न/ 19 जून । 13 जून को अनियंत्रित ई-रिक्शा की टक्कर से घायल हुए शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र के श्रद्धा अपार्टमेंट निवासी सुरेंद्र कुमार जैन की 15 जून को उपचार के दौरान मौत हो गई। सुरेंद्र के बेटे अखिल जैन की तहरीर पर 17 जून की रात प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है।

दर्ज मामले में अखिल जैन ने बताया कि उनके पिता सुरेंद्र कुमार जैन 13 जून की सुबह करीब 9:30 बजे गुरुद्वारा बिजलीघर के पास सड़क किनारे खड़े होकर फल खरीद रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ई-रिक्शा ने गलत दिशा से आकर उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक रिक्शा लेकर भाग गया। मौके पर मौजूद लोगों ने पास के ही निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। लोगों की सूचना पर वह भी पहुंचे और पिता को दूसरे निजी अस्पताल में ले गए। बताया कि 15 जून को इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। प्रभारी एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

टॉफी दिलाने का झांसा दे 10 साल की मासूम से छेड़छाड़

लोनी, यूटर्न/ 19 जून । बॉर्डर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में टॉफी दिलाने का झांसा देकर 10 साल की मासूम से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी अधेड़ मासूम को घर बुलाकर ले गया था। परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। कॉलोनी में रहने वाले व्यक्ति ने बताया कि उनकी दस साल की बच्ची पांचवीं कक्षा में पढ़ती है। बुधवार शाम उनकी बेटी गली में खेल रही थी। आरोप है कि घर के पास रहने वाला अधेड़ पुत्री को टॉफी दिलाने के बहाने अपने घर ले गया। घर में उसने उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की।

पिता के उकसाने पर मां को पीटने का आरोप

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 19 जून ।

क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र निवासी महिला के साथ उन्हीं के नाबालिग बेटे ने धक्का-मुक्की कर मारपीट कर दी। पीड़िता का आरोप है कि बेटे ने अपने पिता के उकसाने पर यह घटना की। मामला ग्रेटर नोएडा के बिसरख थानाक्षेत्र के गौड़ सिटी मॉल की है। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और उसे नोएडा कमिश्नरेट के लिए ट्रांसफर किया जाएगा। पीड़िता अदिति सक्सेना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित एसोटेक द नेस्ट सोसायटी में रहती हैं। उच्च न्यायालय के आदेशानुसार उन्हें हर रविवार सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक बेटे से मिलने का अधिकार है। वह 31 मई को गौड़ सिटी मॉल में बेटे के साथ मुलाकात की। इस दौरान उनके पूर्व पति शशांक भी मौजूद थे। आरोप है कि शशांक ने अपमानजनक टिप्पणियां कीं और बेटे के सामने उनकी छवि खराब करने का प्रयास किया। जब वह गौर सिटी मॉल की तीसरी मंजिल पर पहुंचीं तो बेटे ने उनके साथ धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट की। इससे उनके कंधे, गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। घटना के समय पूर्व पति ने मदद करने के बजाय पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। चोट लगने के बाद उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। जांच में उन्हें फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। महिला ने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज, मेडिकल रिकार्ड को साक्ष्य के रूप में शामिल करने और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि आरोपी पति शशांक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

अंतरराज्यीय वाहन गिरोह के दो बदमाश गिरफ्तार, एक भागा

» साहिबाबाद, यूटर्न/ 19 जून ।

लिंकरोड थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान अंतरराज्यीय गैंग के दो सदस्य बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिए। आरोपी मेरठ के मुंडारी स्थित सफियाबाद गांव निवासी कमरयाब और बिहार के बेगुसराय स्थित चेरिया बरियारपुर का रहने वाला सहदेव है। कार्रवाई चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट की गाड़ियां रोकने पर हुई। मौका मिलने पर तीसरा साथी मेरठ के सफियाबाद का ही रहने वाला कासिम भाग निकला। दोनों आरोपियों ने दिल्ली-एनसीआर समेत अन्य राज्यों में कार चोरी कर बेचने की वारदात करना स्वीकार किया है।

प्रभारी एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि रामपुरी निवासी श्यामवीर की 6 जून को घर के बाहर खड़ी कार चोरी हो गई थी। जांच के दौरान पता चला कि चोरी हुई कार को आरोपी बेचने के लिए मेरठ ले जा रहे हैं तो पुलिस ने बैरिकेडिंग कर चेकिंग शुरू की। दिल्ली की तरफ से आ रही बिना नंबर प्लेट की दो कारों को रोका गया। इनमें सवार कमरयाब और सहदेव को पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि एक कार उन्होंने रामपुरी और दूसरी दिल्ली के यमुना विहार से चुराई थी। उनके गिरोह में नूर कमर उर्फ लंगड़ा व हसीन भी है। नूर हसन की कार का इस्तेमाल चोरी व रेकी के दौरान किया जाता है। वहीं, मेरठ निवासी हसीन चोरी की कार खरीदने का काम करता है। एसीपी अमित सक्सेना ने बताया कि गिरोह के बाकी सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा, उनकी तलाश में टीमें लगी हुई हैं। दो कार बरामद हुई हैं।

नौकरानी हत्याकांड: डॉक्टर की मां कैंसर से पीड़ित, मीना ने परिवार की तरह की थी सेवा; मनीष ने क्यों की हत्या?

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून ।

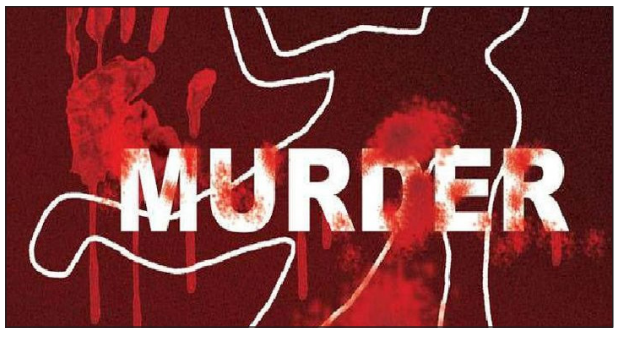

दक्षिण-पूर्वी जिले के अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र के माउंट कैलाश इलाके में घरेलू सहायिका मीना हलदर की हत्या करने वाला आरोपी डॉक्टर मनीष गुप्ता की मां कैंसर से पीड़ित थीं। मीना ने डॉक्टर की मां की परिवार के सदस्य की तरह सेवा की थी। इसके बावजूद आरोपी डॉक्टर मीना को काम से हटाना चहाता था मगर उसकी पत्नी मना करती थी। पत्नी कहती थी कि मीना कई वर्षों से घर में काम कर रही है और मां की कैंसर जैसी बीमारी में भी सेवा की थी। ऐसे में उसे काम से नहीं हटाया जा सका।

पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि डॉक्टर ने अपने बेटे का हाल ही में कॉलेज में दाखिला कराया था, मगर वह कॉलेज नहीं जा रहा था। उसे लगता था कि ये सब मीना की वजह से हो रहा है। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि डॉक्टर का बेटा मानसिक रूप से कमजोर है। आरोपी डॉक्टर ने डिप्रेशन में बेटे की किस्मत को ठीक करने के लिए मीना की हत्या कर दी।

डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि आरोपी का कहना है कि उसके मन में परिवार के सदस्यों के मारने के विचार आते थे। बृहस्पतिवार को वह जगा तो उसका मूड खराब था। बताया जा रहा है कि वारदात के समय उसका बेटा घर में ही था। इस कारण उसने छत पर जाकर हत्या की। अधिकारी ने बताया कि कई टीमें आरोपी से पूछताछ कर रही हैं। इसके अलावा, अपराध में इस्तेमाल किए गए बैट और चाकू को घटनास्थल से जब्त कर लिया गया।

बेहोश हो गई थी बहू सुपर्णा

मूलरूप से कोलकाता की रहने वाली मीना अपने बेटे रॉबिन, बहु सुपर्णा और बेटी पपिहा के साथ गढ़ी गांव के प्रकाश मोहल्ले में रहती थी। पति उत्तम हलदर गांव में रहकर खेती करते हैं। मीना माउंट कैलाश स्थित मकान नंबर ए-69 व उसके पीछे के मकान में बतौर घरेलू सहायिका काम करती थी। उसकी बहू सुपर्णा भी उसी इलाके में काम करती हैं। छत पर गई तो देखा सास खून से लथपथ पड़ी थीं। ये देख मैं बेहोश हो गई। पुलिसवाले नीचे लेकर आए। बेटा राबिन नेहरू प्लेस में नौकरी करता है। उसे भी दोस्तों ने सूचना दी।

नागरिक अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में एसी दुरुस्त, मरीजों को राहत

फरीदाबाद, यूटर्न/ 19 जून । जिला नागरिक अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में लंबे समय से गर्मी से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों को अब कुछ राहत मिलने लगी है। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देशों के बाद वार्ड में खराब पड़े एसी को दुरुस्त कर दिया गया है। वर्तमान में वार्ड में लगे तीन एसी में से दो संचालित हो रहे हैं, जबकि एक एसी अभी भी बंद पड़ा है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों अस्पताल में गर्मी, ठंडे पेयजल की कमी और परिसर में दुर्गंध की शिकायतों को लेकर मरीजों और तीमारदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने इन समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयंत आहूजा को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए थे। आपातकालीन वार्ड में भर्ती मरीजों का कहना है कि एसी चलने से वातावरण पहले की तुलना में काफी बेहतर हुआ है। 29 मई से सांस लेने में तकलीफ और घबराहट की समस्या के चलते भर्ती हंसा देवी ने बताया कि कुछ दिन पहले वार्ड में गर्मी के कारण काफी परेशानी होती थी लेकिन अब एसी चलने से राहत महसूस हो रही है। वहीं मरीज रवि के परिजन अयोध्या सिंह ने कहा कि पिछले दिनों वार्ड में गर्मी के कारण मरीजों को काफी दिक्कत उठानी पड़ी थी। अब स्थिति में सुधार आया है और मरीजों को पहले की अपेक्षा अधिक आराम मिल रहा है। हालांकि अस्पताल में अभी भी सभी सुविधाएं पूरी तरह बहाल नहीं हो पाई हैं। आपातकालीन वार्ड का एक एसी अभी भी खराब है, जिसे ठीक किए जाने का इंतजार है।

'अब होगा हिसाब' की शूटिंग के दौरान घर जैसा महसूस हुआ

निमरत कौर ने बताया अनुभव

अभिनेत्री निमरत कौर अहलूवालिया इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज 'अब होगा हिसाब' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वहपंजाब की लड़की का किरदार निभा रही है। इस सीरीज की शूटिंग के दौरान उन्हें कैसा महसूस हुआ, इस पर उन्होंने खुलकर बात की। निमरत कौर अहलूवालिया ने कहा, ''इस सीरीज में मैं पंजाब की लड़की का किरदार निभा रही हूं। चूंकि मैं खुद भी पंजाबी हूं, इसलिए शूटिंग के दौरान मुझे हर चीज काफी जानी-पहचानी लगी। पंजाब की भाषा, वहां के लोग और वहां की संस्कृति मेरे लिए कुछ भी नई नहीं थी। यही वजह रही कि किरदार निभाते समय मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं हुआ और मेरा प्रदर्शन स्वाभाविक रूप से सामने आया।'' अभिनेत्री ने कहा, ''शूटिंग के पहले दिन से ही मुझे ऐसा महसूस हो रहा था, जैसे मैं किसी सेट पर नहीं बल्कि अपने घर में हूं। आसपास का माहौल और लोगों से बातचीत के चलते मैं जल्दी ही उस वातावरण में घुल-मिल गईं। मेरा मानना है कि जब कलाकार अपने माहौल से जुड़ा हुआ महसूस करता है, तो उसका असर सीधे उसके अभिनय पर दिखता है। इसी वजह से मैं अपने किरदार में ज्यादा सहज और वास्तविक महसूस कर पाईं।'' निमरत कौर ने कहा, ''इस प्रोजेक्ट में मुझे सबसे बड़ी राहत इस बात की थी कि मुझे किसी नई जगह या नई संस्कृति में खुद को ढालने की जरूरत नहीं पड़ी। मैं बिना किसी दबाव के सीधे किरदार की भावनाओं पर ध्यान दे सकी और मैंने पूरी तरह से कहानी में खुद को डूबो दिया।'' सीरीज की शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए उन्होंने बताया, ''इस पूरे सफर को खास बनाने में डायरेक्टर का बड़ा योगदान रहा। डायरेक्टर ने सेट पर ऐसा माहौल तैयार किया जिसमें हर कलाकार खुद को सहज महसूस कर सके। खासकर जब कहानी भावनात्मक रूप से भारी हो, तब एक सकारात्मक माहौल होना बहुत जरूरी होता है।''

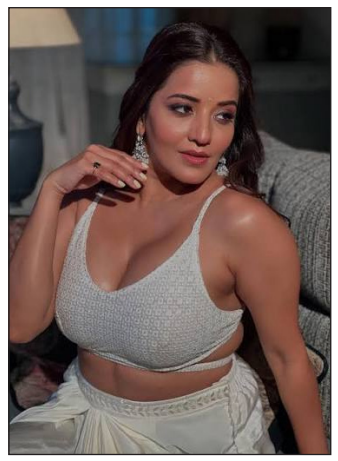

मोनालिसा ने बालकनी से बिखेरा जादू

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री अंतरा बिस्बास, जिन्हें दर्शक मोनालिसा के नाम से जानते हैं, ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कुछ नई तस्वीरें साझा की हैं, जिन्होंने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ अपने आकर्षक लुक्स और फिटनेस के लिए चर्चा में रहने वाली मोनालिसा इन तस्वीरों में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उन्होंने एक सफेद रंग की फ्लोरल ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें छोटे-छोटे फूल बने हुए हैं। इन तस्वीरों में मोनालिसा अपनी बालकनी में खड़े होकर अपने हुस्न का जादू बिखेरती दिखाई दे रही हैं। मोनालिसा के इस लेटेस्ट लुक की सबसे खास बात उनके कानों में पहने हुए झुमके हैं, जो उन्होंने सफेद फूलों से बनाए हैं। ये झुमके उनकी पूरी ड्रेस और लुक को एक अनूठा और ताजगी भरा स्पर्श दे रहे हैं। 43 साल की उम्र में भी एक्ट्रेस अपनी फिटनेस को लेकर काफी एक्टिव रहती हैं और नियमित रूप से वर्कआउट करती हैं, जिसका असर इन तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है। वह अपने कर्वी फिगर को खूबसूरती से फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

तमन्ना का आलीशान महलनुमा घर

बॉलीवुड की मशहूर कोरियोग्राफर और फिल्ममेकर फराह खान, जो अपने कुकिंग व्लॉग्स के लिए जानी जाती हैं, हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया के घर पहुंचीं। इस व्लॉग के जरिए फराह खान ने दर्शकों को तमन्ना के शानदार घर का हर एक कोना दिखाया, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। तमन्ना भाटिया का लग्जरी आशियाना किसी महल से कम नहीं लगता, जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। व्लॉग की शुरूआत में फराह खान ने तमन्ना का लिविंग रूम दिखाया, जो बेहद आलीशान और रॉयल लग रहा था। लिविंग रूम से पहले एक खूबसूरत डाइनिंग टेबल भी रखा हुआ है। तमन्ना के घर का हर एक इंटीरियर खूबसूरती को चार चांद लगा रहा था। घर के हॉल को बेहद खास अंदाज में डिजाइन किया गया है, जहां एक बड़ा और आरामदायक सीटिंग एरिया है। यहां एक स्टाइलिश ओवल शेप का सोफा सेट रखा गया है, जबकि दीवार पर लगी बड़ी और खूबसूरत आर्टिस्टिक पेंटिंग इस जगह की सुंदरता में चार चांद लगा देती है। तमन्ना के घर का किचन भी देखने लायक है, जिसका इंटीरियर लिविंग रूम से भी ज्यादा सुंदर है।

फीफा विश्व कप 2026: पहले सप्ताह में चमके कई अनजान से खिलाड़ी

टोरंटो, यूटर्न/ 19 जून । फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 की शुरूआत में जहां लियोनेल मेसी , काइलियान एमबाप्पे सहित कई स्टार खिलाड़ियों ने अपने नाम के अनुरुप प्रदर्शन कर अपनी टीमों को जीत दिलायी है। वहीं पहले सप्ताह में कुछ अनजान से खिलाड़ियों ने भी अपने शानदार प्रदर्शन से फुटबॉल के इस महाकुंभ में अपनी चमक बिखेरी है। इन अनजान खिलाड़ियों ने दिखाया है कि वे भी किसी से कम नहीं हैं। अपने असाधारण प्रदर्शन से इन लोगों ने खेल प्रेमियों का दिल जीता है। इन खिलाड़ियों ने साबित कर दिया कि विश्व कप सिर्फ बड़े नामों का ही मंच नहीं, बल्कि हर किसी को यहां अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इन्हीं अनजान खिलाड़ियों में से एक हैं। केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा। वोजिन्हा ने स्पेन जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपने पहले मैच में ही अविश्वसनीय बचाव करके सभी को हैरान कर दिया। उनके शानदार प्रदर्शन ने न केवल अपनी टीम को प्रेरणा दी, बल्कि उनके सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या 1 करोड़ 30 लाख तक पहुंचा दी, जो उनकी बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। इसके अलावा विश्वप में भाग ले रहे सबसे छोटे देश क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया ने अपनी टीम के लिए पहला गोल दागकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दी। उनकी टीम हालांकि पूर्व चैम्पियन जर्मनी से 7-1 की करारी हार का सामना करना पड़ा हो पर कोमेनेंसिया का वह गोल हमेशा याद किया जाएगा। इसके अलावा कतर के 35 वर्षीय सेंटर बैक, बौलेम खौखी ने भी प्रभावित किया है। स्विट्जरलैंड के खिलाफ उनकी निर्णायक भूमिका ने कतर को मैच ड्रॉ कराने में सहायत की।

टीम में जगह बनाये रखने के लिए प्रदर्शन के साथ ही फिटनेस भी जरुरी : मनप्रीत

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जून । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है टीम में जगह बनाये रखने के लिए प्रदर्शन के साथ ही फिटनेस पर भी ध्यान देना सबसे जरुरी है। मनप्रीत ने कहा कि फिटनेस बनी रहने के कारण ही वह भारत की ओर से सबसे अधिक मैच खेलने की उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे हैं। मनप्रीत ने खेल में अपनी सफलता का श्रेय अपने फिटनेस को दिया है। साथ ही कहा है कि अपनी फिटनेस पर ध्यान देने के कारण ही वह इतने लंबे समय तक वह देश के लिए खेल पाए हैं। इस खिलाड़ी ने कहा कि टीम में बने रहने के लिए उम्र और अनुभव पर ध्यान न देते हुए लगातार बेहतर प्रदर्शन करना होता है। साथ ही कहा कि जैसे-जैसे मैचों की संख्या बढ़ती है फिटनेस भी बनाये रखनी होती है। अगर फिटनेस कमजोर पड़ती है तो टीम में जगह भी हाथ से निकल जाती है। मनप्रीत ने कहा, कोचिंग स्टाफ का भी हमेशा से यह कहना रहा है कि प्रदर्शन और चयन फिटनेस से जुड़े रहते हैं। इसलिए अगर आपको टीम में बने रहना है, तो आपको हर समय फिटनेस बनाये रखनी होगी।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

नाइजर के अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर आतंकी हमला: 35 की मौत

हमलावरों को खोजने आक्रोशित नागरिक डंडे लेकर निकले

» **नियामे, यूटर्न/ 19 जून ।**

पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार को हुए एक भीषण आतंकवादी हमले में कम से कम 35 लोग मारे गए हैं। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट समर्थित आतंकवादी संगठन जमात नुसरल अल इस्लाम मुस्लमीन (जेएनआईएम) ने ली है। इस हमले के बाद हुई जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने बड़ी संख्या में हमलावरों को मार गिराया और कई को गिरफ्तार किया। हालांकि, इस घटना ने उस समय अप्रत्याशित मोड़ ले लिया जब कुछ हमलावरों के स्थानीय आबादी में घुल-मिल जाने की खबर फैलने के बाद, आक्रोशित नागरिक अपने घरों से लाठियां और अन्य छोटे हथियार लेकर सड़कों पर उतर आए, जिसका उद्देश्य संदिग्ध आतंकियों का पता लगाना था।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घातक हमला गुरुवार की सुबह की नमाज के ठीक बाद हुआ। रिपोर्ट में स्थानीय निवासियों के हवाले से बताया गया है कि नमाज के तुरंत बाद उन्होंने धमाकों और गोलियों की आवाजें सुनीं, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हमले में 35 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है, जिसमें नागरिक और सुरक्षाकर्मी दोनों शामिल हैं।नाइजर की सेना ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हवाई अड्डे को घेर लिया और हमलावरों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। सैन्य अधिकारियों ने बाद में पुष्टि की कि जवाबी कार्रवाई में कम से कम 22 हमलावर मारे गए, जबकि चार अन्य घायल हुए हैं।

इसके अतिरिक्त, लगभग 20 हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया। सेना ने हमलावरों के पास से भारी मात्रा में गोला-बारूद भी बरामद किया है, जिसमें लॉन्चर, राइफलें, विस्फोटक उपकरण, ग्रेनेड और आधुनिक संचार उपकरण शामिल हैं।

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब नाइजर, साथ ही पड़ोसी बुर्किना फासो और माली जैसे देश सैन्य सरकारों द्वारा शासित हैं और लंबे समय से इस्लामिक आतंकवाद से जूझ रहे हैं।

कुवैत करेगा प्रतिदिन 20 लाख बैरल कच्चे तेल का उत्पादन

कुवैत सिटी, यूटर्न/ 19 जून । कुवैत ने एक हफ़्ते के अंदर कच्चे तेल का उत्पादन 20 लाख बैरल प्रतिदिन से ज्यादा करने का एलान किया है। यह कदम महीनों तक चले संघर्ष के कारण आयी रुकावटों के बाद ऊर्जा से जुड़े कामकाज को फिर से शुरू करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। सरकारी कंपनी कुवैत पेट्रोलियम निगम (केपीसी) की ओर से गुरुवार को जारी एक बयान के मुताबिक, यह कदम तब उठाया गया जब कुवैत ने सुरक्षा हालात में सुधार, होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से खुलने और अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक जहाजों का आवागमन दोबारा शुरू होने का हवाला देते हुए 'फोर्स मेज्योर' नोटिस हटा लिये। ये नोटिस अमेरिका-इजरायल-ईरान संघर्ष के दौरान लगाये गये थे। केपीसी ने कहा कि उसने खराब हुई अवसंरचना की मरम्मत का काम पूरा कर लिया है और ग्राहकों के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि अनुबंध के मुताबिक पूरी आपूर्ति फिर से आसानी से शुरू हो सके। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह घोषणा मार्च में तेल उत्पादन और रिफाइनिंग के कामकाज में एहतियातन कटौती के बाद की गयी है। यह कटौती कुवैत के ऊर्जा अवसंरचना और परिवहन नेटवर्क पर बार-बार हो रहे हमलों के बीच की गयी थी। खाड़ी क्षेत्र में तेल के प्रमुख उत्पादकों में से एक कुवैत धीरे-धीरे ऊर्जा से जुड़े कामकाज को सामान्य करने की कोशिश कर रहा है। संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही में रुकावट आ गयी थी, जो वैश्विक तेल निर्यात के लिए एक अहम रास्ता है।

संक्षिप्त खबरें

ओबामा ने ट्रंप के नीतियों की आलोचना की

शिकागो, यूटर्न/ 19 जून । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने यहां 'ओबामा प्रेसिडेंशियल सेंटर' के उद्घाटन समारोह के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। इतिहास का जिक्र करते हुए श्री ओबामा ने गुरुवार को 'कोई राजा या शासक नहीं, कोई दास या प्रजा नहीं' के अमेरिकी आदर्श पर जोर दिया। यह बयान हाल के महीनों में देश भर में हुए 'नो किंग' (राजा नहीं चाहिए) विरोध प्रदर्शनों और रैलियों की गूंज को दर्शाता है। श्री ओबामा ने मिनेसोटा राज्य के मिनियापोलिस के निवासियों की प्रशंसा करते हुए श्री ट्रंप की प्रवासन (इमिग्रेशन) नीति पर भी परोक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वहां के लोगों ने 'अपनी सुरक्षा को जोखिम में डालते हुए कड़ाके की ठंड का सामना किया और अपने पड़ोसियों तथा अजनबियों की मदद के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे, क्योंकि वे जानते थे कि ऐसा करना ही सही है। पूर्व राष्ट्रपति ने उम्मीद जतायी कि यह नया केंद्र यह साबित करेगा कि 'हमारा लोकतंत्र वास्तव में कितना मूल्यवान है। ओबामा पहली बार 1985 में 23 वर्ष की आयु में एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में शिकागो आए थे।

ईरान शांति समझौते पर बढ़ी तकरार: वेंस ने इजरायली नेताओं को लताड़ा

वाशिंगटन, यूटर्न/ 19 जून । अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते ने उसके दशकों पुराने करीबी सहयोगी इजरायल के साथ गहरे कूटनीतिक दरार पैदा कर दी है। इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम के बाद, अमेरिकी उप राष्ट्रपति जे. डी. वेंस ने इजरायली नेताओं को इस डील की सार्वजनिक आलोचना करने पर कड़ी फटकार लगाई है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। वेंस ने इजरायल को वास्तविकता का सामना करने की नसीहत दी है, यह संकेत देते हुए कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में इजरायल के पास अमेरिका जैसा सहानुभूति रखने वाला सहयोगी शायद ही कोई और है। व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए वेंस ने उन अटकलों को भी खारिज किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजरायल की समस्याओं का कारण हैं। उन्होंने कहा, इजरायल की समस्या डोनाल्ड ट्रंप नहीं हैं। अगर वहां किसी को ऐसा लगता है कि उसे जागना चाहिए और वास्तविकता को समझना चाहिए। हालांकि, वेंस ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सार्वजनिक आलोचना का उल्लेख नहीं किया.

खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और आंधी, तूफान ने मचाई तबाही, सात की मौत

» **इस्लामाबाद, यूटर्न/ 19 जून ।**

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कई हिस्सों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का कहर देखने को मिला। खैबर पख्तूनख्वा के कुछ हिस्सों में प्रकृति के इस प्रकोप की वजह से सात लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान के पहाड़पुर शहर और आस-पास के गांवों में गुरुवार को तूफान और तेज बारिश के बाद कई घरों और दुकानों की छतें और दीवारें गिर गईं। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, बचाव दल और स्थानीय लोगों ने मलबे से पीड़ितों को ढूंढने के लिए राहत अभियान चलाया और घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया। मरने वालों में पहाड़पुर के दो युवक और जंदर गांव की दो महिलाएं शामिल हैं। एक घायल की पहचान अहमद अली के तौर पर हुई है जबकि अन्य लोगों के बारे में अधिक जानकारी नहीं है। तेज हवाओं की वजह से इलाके में कई पेड़ उखड़ गए जबकि घरों और कार्यालयों पर लगे सोलर पैनल उखड़ गए। एक सबअर्बन इलाके में एक बाउंड्री वॉल और बाड़े में बंधे कई जानवरों की मौत हो गई। आंधी-तूफान की वजह से बिजली आपूर्ति को भी नुकसान हुआ, जिससे पहाड़पुर और उसके आसपास के कई इलाकों में बिजली की सप्लाई रुक गई। खतरनाक हालात और इंफ्रास्ट्रक्चर को हुए नुकसान की वजह से ठीक करने का काम तुरंत शुरू नहीं हो सका। ओरकजई ट्राइबल जिले में गुरुवार को बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, रेस्क्यू 1122 के एक अधिकारी ने बताया कि निचले ओरकजई के सैम फिरोजखेल इलाके में हुई इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। तूफान के कारण बाजौर ट्राइबल जिले की वार मामुंड तहसील में एक सरकारी स्कूल की दीवार गिर गई और बिजली सप्लाई बाधित हो गई। इस महीने की शुरूआत में आए एक रिपोर्ट के अनुसार, भले ही पाकिस्तान में आंधी-तूफान को लेकर पहले ही आकलन लगाकर तैयारी पूरी कर ली गई थी, लेकिन फिर भी वर्तमान हालात से निपटने के लिए जो भी कदम उठाए गए, वो तैयारी और जवाब के बीच के अंतर को सामने ला दिया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बारिश और आंधी-तूफान के नए दौर का पहले ही अंदाजा लगा दिया था और कई इलाकों को अलर्ट पर रखा था। रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित बाल्टिस्तान, सभी को 12 से 17 अप्रैल के बीच कमजोर जोन में रखा गया था।

रिपोर्ट में बताया गया कि चेतावनी समय पर जारी की गई थीं और हर जिले के हिसाब से थीं, फिर भी इसके बाद जो दिक्कतें आईं, उनसे पता चलता है कि सिर्फ जानकारी होने से तैयारी नहीं हो सकती। चित्राल और स्वात जैसे इलाकों और लाहौर और रावलपिंडी जैसे घनी आबादी वाले इलाकों सहित कमजोर इलाकों की पहचान काफी पहले कर ली गई थी।

भारत ने जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तान, ओआईसी की टिप्पणियों को किया खारिज, देश का अभिन्न अंग बताया

» **जिनेवा, यूटर्न/ 19 जून ।**

भारत ने पाकिस्तान के बेबुनियाद और गलत इरादे वाले आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। इसके साथ ही, इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की तरफ से भारत के केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को लेकर किए गए जिक्र को भी खारिज कर दिया। भारत ने दोहराया कि यह इलाका देश का 'एक अभिन्न और अविभाज्य' हिस्सा है।

संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार परिषद के 62वें सत्र में भारत के स्थानीय मिशन की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने कहा, ह्लभारत को लेकर पाकिस्तान और ओआईसी द्वारा की गई टिप्पणियों के जवाब में भारत अपना उत्तर देने के लिए बाध्य है। हम पाकिस्तान के लगाए बेबुनियाद और गलत इरादे वाले आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं। हम ओआईसी की तरफ से जम्मू और कश्मीर को लेकर की गई टिप्पणी को भी पूरी तरह से खारिज करते हैं।ह्व उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान का यह प्रचार उसके घरेलू मोर्चे पर विफलताओं और आतंकवाद को दिए जा रहे समर्थन को छिपाने की कोशिश है। ओआईसी समन्वयक की भूमिका का उसका दुरुपयोग केवल इस भ्रामक अभियान को और उजागर करता है। ऐसे प्रचार को महत्व देने की हमारी कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, ह्लेकिन, हम कुछ बातें कहना चाहेंगे। रिकॉर्ड के लिए, जम्मू और कश्मीर भारत का एक जरूरी और अटूट हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा।

भगवान राम के अपमान पर भड़के बांग्लादेश के हिंदू छात्र

बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे युवा

» **ढाका, यूटर्न/ 19 जून ।**

बांग्लादेश में भगवान राम के अपमान और हिंदू समुदाय पर बढ़ते अत्याचारों के खिलाफ छात्र एक बड़े आंदोलन के लिए एकजुट हो गए हैं। आक्रोशित छात्रों ने सरकार को सीधे चुनौती देते हुए कट्टरपंथी आरोपियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है, और ऐसा न होने पर देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन की चेतावनी दी है। यह विरोध तब भड़का जब भगवान राम के विग्रह पर जूते रखे गए और गाइबंधा जिले के पलाशबाड़ी में निमार्णाधीन

81 फीट ऊंची भगवान श्रीराम की मूर्ति का निर्माण कट्टरपंथियों ने उपद्रव कर रुकवा दिया। इन घटनाओं के बाद हिंदुओं के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिए गए, जिससे अल्पसंख्यक समुदाय में गहरा रोष व्याप्त है। इससे पहले ढाका विश्वविद्यालय में प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने सरकार को 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, जिसमें कट्टरपंथी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की गई थी। हालांकि, समय सीमा बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई न होने से छात्रों का गुस्सा और बढ़ गया है। इसी के चलते, शुक्रवार को ढाका के शाहबाग में एक विशाल प्रदर्शन की तैयारी की जा रही है।बांग्लादेश स्टूडेंट यूनिटी काउंसिल के संयोजक नॉवेल्टी रॉय उदय ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा, हमारे पूजनीय भगवान राम का अपमान किया गया है, जो हमारे लिए असहनीय है। यदि बांग्लादेश में मौजूदा परिस्थितियां अगले दस साल तक जारी रहीं, तो हिंदू समुदाय का अस्तित्व ही मिट जाएगा। उन्होंने सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाया।माइनॉरिटी राइट्स मूवमेंट की प्रवक्ता सुष्मिता कर ने भी सरकार की उदासीनता पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जहां भगवान राम की मूर्ति का निर्माण हो रहा था, वहां उपद्रवियों की भीड़ ने खूब तमाशा किया और हिंदुओं के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिए गए, हिंदू धर्म को गालियां दी गईं। उन्होंने इस मामले में 72 घंटे का अल्टीमेटम देने के बावजूद कोई ठोस कदम न उठाए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

जगन्नाथ विश्वविद्यालय से शुरू हुआ यह आंदोलन अब सिर्फ धार्मिक दायरे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि छात्रों के अनुसार यह उनकी पहचान, सम्मान और धार्मिक अस्तित्व की लड़ाई बन चुका है। आंदोलन को व्यापक समर्थन मिल रहा है। जानकारी के मुताबिक, प्रदर्शन से पहले, हिंदू महाजोत संगठन ढाका प्रेस क्लब के सामने एक मानव श्रृंखला बनाएगा, जबकि बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद शनिवार को एक बड़ा प्रदर्शन करने की तैयारी में है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *